RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

www.mahikihunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

वर्ष-06, अंक -32 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 2 मई 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

क्या यह स्वस्थ लोकतंत्र है...?

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष का उतना ही महत्व रहता है जितना सत्ता पक्ष का रहता है। प्राचीन काल में तो सब योद्धा लड़ते थे तो विपक्षी योद्धा का हथियार गिर भी जाता था तो उसे उठाने का पूरा मौका देते थे और हथियार उठाने के पश्चात ही वार किया जाता था, यानी दोनों योद्धाओं के लिए समान अवसर होते थे। प्राचीन काल में सत्ता के लिए संघर्ष हथियार के बल पर होते थे, लेकिन वर्तमान में सत्ता के लिए संघर्ष बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान अनुसार जनमत के बल पर होने थे। तरीका भले बदल गया है लेकिन विपक्षी के सम्मान की परंपरा और विपक्षी को समान अवसर दिया जाना आज भी कायम है। संविधान के अनुसार अपनी बात रखने का हक सभी को है। वर्तमान में जारी दिल्ली की सत्ता संघर्ष अपने चरम पर है। यहां सह और मात का खेल खेला जा रहा है। विपक्षी पर हर वो चाल चली जा रही है जो राजनीतिक रूप से भले ही सही हो लेकिन नैतिक रूप से सही नहीं कही जा सकती है। कोई भी बुद्धिजीवी या राजनीतिक पंडित इस बात को कभी भी सही नहीं कहेगा कि, विपक्षी उम्मीदवार को मैदान से ही हटा दिया जाए, इसे स्वस्थ लोकतंत्र कह सकते हैं क्या...?

देश के दो सबसे खूबसूरत व सफाई में नंबर वन का ताज हासिल कर पूरे देश में चर्चित शहर सूरत व इंदौर इन दिनों भी चर्चा में है, लेकिन यह चर्चा राजनीतिक है। दोनों ही शहरों में चुनाव के एन वक्त ऐसी चाल चली गई कि, विपक्षी दल कांग्रेस हक्का-बक्का रह गई। जब तक कांग्रेस कुछ समझ पाती, बाज़ी उनके हाथ से निकल चुकी थी। पहले बात करें सूरत की जहां कांग्रेस उम्मीदवार ने अपने नामांकन फर्म में जानबूझकर गलती की ताकि उनका फॉर्म निरस्त हो जाए और भाजपा का यह ऑपरेशन सफल रहा। कांग्रेसी उम्मीदवार का फॉर्म निरस्त होने के बाद अन्य निर्दलीय प्रत्याशियों के नामांकन फॉर्म भी वापस करवा लिए गए। इसके लिए जाहिर सी बात है कि शाम, दाम, दंड और भेद आदि सभी नीतियों को अपनाया गया होगा। क्योंकि राजनीति की थोड़ी भी समझ रखने वाला व्यक्ति यह तो जानता ही है कि, नामांकन फॉर्म वापस किन परिस्थितियों में लिया जाता है। कोई केवल शोक या मनोरंजन के लिए तो इतने बड़े चुनाव के लिए फॉर्म नहीं भरता है। भाजपा अपनी रणनीति में कामयाब रही और सूरत के सांसद निर्वाचन निर्विरोध हो गया। कांग्रेस इस सदमें से ऊबर पाती उससे पहले ही सातवीं बार स्वच्छता का सिरमौर बने इंदौर से उनके लिए एक बुरी खबर आ गई। जहां उनके द्वारा घोषित प्रत्याशी ने एन वक्त पर अपना नामांकन फॉर्म वापस लेकर मत पत्र मशीन से हाथ के पंजे के निशान को गायब कर दिया और सत्ता पक्ष का गमछा पहन लिया। हालांकि यहा सूरत जैसी निर्विरोध की स्थिति तो नहीं बनी लेकिन राजनीतिक पंडितों को इसकी चर्चा के लिए अवश्य मजबूर कर दिया और राजनीतिक पंडित इस प्रश्न का उत्तर खोजने में लगे हैं कि, भाजपा की यह रणनीति क्या स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित है...?

आखिर क्या जरूरत थी इसकी..?

पंडित दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे, राजमाता सिंधिया और अटल बिहारी वाजपेई के आदर्शों पर चलने का दावा करने वाली भाजपा की आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि, स्पष्ट दिखाई दे रही जीत को लेकर भी वह संयम नहीं दिखा पाई और हड़बड़ाहट या अति उत्साह में लोकतंत्र का ही मखौल उड़ा दिया। इंदौर लोकसभा क्षेत्र से श्रीमती सुमित्रा महाजन अजय योद्धा रही और लगातार आठ चुनाव जीते। यही नहीं गत लोकसभा चुनाव में यहां भाजपा के शंकर लालवानी ने 65.57 फ़ीसदी मतदाताओं के मत प्राप्त किए थे और लगभग 5 लाख से ज्यादा के अंतर से अब तक की सबसे बड़ी विजय प्राप्त की थी। पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव ने इस संसदीय क्षेत्र की सभी 9 सीटे बड़े अंतर से जीती थी। पिछले 25 वर्षों से स्थानीय निकाय के चुनाव में भाजपा का महापौर चुना जा रहा है। अधिकतर पार्षद भी भाजपा के ही चुने जा रहे हैं।

रही सही कसर पिछले दिनों गत चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े पंकज संघवी, विधायक रहे संजय शुक्ला सहित अन्य कांग्रेस के अनेक नेताओं ने भाजपा में शामिल होकर कर दी। भाजपा के लिए मैदान पूरी तरह साफथा, भाजपा के शंकर लालवानी की जीत का संदेह किसी को भी नहीं था, फिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि भाजपा को यह दाव खेलने की।

क्रिकेट की भाषा में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला बराबरी का माना जाता है, लेकिन जब मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और केन्या के बीच हो तो मैच निरस हो जाता है। ऐसे में मैच में भी अगर ऑस्ट्रेलिया, केन्या के कप्तान को बाउंसर से चोटिल कर दे तो इसे खेल भावना नहीं कहा जा सकता है।

अब कैसे बढ़ेगा मतदान प्रतिशत

एक तरफ़ा जीत की संभावना को लेकर इंदौर का चुनाव वैसे भी निरस था और पर्चा वापसी के बाद बचा-कूचा उत्साह भी मतदाताओं का समाप्त हो गया है। एक तरफप्रशासन वो सारी कवायदो में जुटा है जिससे मतदान प्रतिशत बड़े और लोग, लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपनी आहुति दे। लेकिन इस घटनाक्रम के बाद इंदौर का मतदान प्रतिशत बढ़ाना प्रशासन के लिए लोहे के चने चबाने जैसा साबित होगा। हालांकि कांग्रेस ने इस घटना के बाद कहा है कि, वो नोटा के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे, तो क्या इस बार नोटा रिकॉर्ड बनाएगा...? लोगों को नोटा के लिए प्रेरित करना इतना आसान भी नहीं है।

बरहाल इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा की जीत का उत्साह भी उतना नहीं रहेगा क्योंकि खेल में जितने का मजा भी तभी आता है जब विपक्ष टक्कर का हो अकेले दौड़कर प्रथम स्थान पर आना कोई मायने नहीं रखता है। चुनाव, लोकतंत्र की आत्मा है, चुनाव प्रणाली में दखल लोकतंत्र की आत्मा पर चोट है। निष्पक्ष, पारदर्शी, सौहार्दपूर्ण और भय रहित चुनाव प्रक्रिया से ही लोकतंत्र का असली चेहरा सामने आता है। इंदौर की घटना के बाद देश में एक नई बहस जन्म ले चुकी है और इस बहस का जवाब हमें ही ढूंढना होगा...।

ईवीएम को लेकर चुनाव आयोग के फैसले पर ममता बेनर्जी ने उठाए सवाल...

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने ईवीएम से छेड़छाड़ कर चुनाव नतीजे बदलने की आशंका जताई है। ममता बेनर्जी ने बंगाल के फरक्का में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। ममता बेनर्जी ने कहा कि, ऐसी आशंका है कि भाजपा परिणामों में छेड़छाड़ कर सकती है क्योंकि कई ईवीएम गायब हैं। ममता ने चुनाव आयोग की ओर से मतदान का प्रतिशत बढ़ा हुआ दिखाने पर भी चिंता जताई। ममता ने कहा कि, निर्वाचन आयोग के नवीनतम आंकड़ों में मतदान प्रतिशत में अचानक वृद्धि चिंता पैदा कर रही है।

ममता बेनर्जी ने कहा कि आखिर इतने दिनों बाद कैसे चुनाव आयोग वोटिंग प्रतिशत के आंकड़ों में बदलाव कर रहा है। आखिर इसका क्या मतलब है...? दरअसल, चुनाव आयोग ने 19 और 26 अप्रैल को हुए दो चरणों के मतदान का डेटा मंगलवार शाम को एक बार फिर से अपडेट किया था। चुनाव आयोग के अनुसार पहले राउंड में 66.14 पर्सेंट वोटिंग हुई है। वहीं दूसरे चरण में 66.71 पर्सेंट मतदान हुआ है। इससे पहले यह आंकड़ा कम बताया जा रहा था। इसी को लेकर ममता बेनर्जी ने सवाल उठा दिए हैं।

बंगाल की सीएम ने कहा, अचानक ही वोटिंग प्रतिशत में 5.75 प्रतिशत का इजाफा करना चिंता की बात है। आखिर चुनाव आयोग ने ऐसा क्यों किया है। इस बात की चिंता है कि ईवीएम से छेड़छाड़ करके नतीजे बदले जा सकते हैं। इसीलिए पहले ही वोटिंग प्रतिशत में अंतर दिखा दिखा दिया गया है। यही नहीं ममता बेनर्जी ने कहा कि, चुनाव आयोग को ईवीएम तैयार करने वालों की डिटेल भी सार्वजनिक करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि चुनाव जीतने के लिए भाजपा किसी भी हद तक गिर सकती है।

राहुल गांधी खुद अमेठी से लड़ने को तैयार नहीं, प्रियंका पर भी लगाई रोक

नई दिल्ली।

राहुल गांधी ने अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि, राहुल गांधी के इनकार के चलते ही अब तक उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं हो सका है। फिलहाल मल्लिकार्जुन खरगे उन्हें राजी करने में जुटे हैं। वह यदि राजी हुए तो उनके नाम का ऐलान आज हो सकता है। यदि नहीं हुए तो फिर गांधी परिवार के बाहर के किसी नेता का नाम भी आ सकता है। इसकी वजह यह है कि राहुल गांधी यह भी नहीं चाहते कि प्रियंका गांधी या परिवार का कोई और सदस्य भी अमेठी या फिर रायबरेली सीट से चुनाव लड़े।

इस तरह ऐसा पहली बार हो सकता है कि, रायबरेली और अमेठी दोनों ही सीटों से गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव में नहीं उतरेगा। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि, राहुल गांधी का कहना है कि वह खुद अमेठी से फिर उतरे और रायबरेली से प्रियंका गांधी उतरीं तो भाजपा को परिवारवाद के नाम पर हमला करने का मौका मिल जाएगा। अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए तो रॉबर्ट वाड्रा तक तैयार हैं, लेकिन राहुल गांधी नहीं चाहते कि फैमिली से कोई भी मैदान में आए। पीएम नरेंद्र मोदी अकसर कांग्रेस पर परिवारवाद के आरोप लगाते रहे हैं। अब यदि फिर से अमेठी और रायबरेली से फैमिली के ही लोग लड़े तो उन्हें एक नया हथियार मिल सकता है।

दरअसल, चर्चा थी कि अमेठी से राहुल और रायबरेली से प्रियंका गांधी लड़ सकती हैं। कांग्रेस में एक प्रस्ताव यह भी दिया कि यदि प्रियंका को चुनावी समर से बाहर ही रखना है और अमेठी से मन नहीं है तो राहुल गांधी खुद रायबरेली से चुनाव लड़ें। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी इस पर सहमत दिख रहे थे, लेकिन उन्होंने इससे इनकार ही कर दिया। अब कांग्रेस के आगे धर्मसंकट की स्थिति है। एक तरफराहुल गांधी चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं और दूसरी तरफकिसी और नेता को मौका मिला तो भाजपा डर कर भागने का आरोप लगाने लग जाएगी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस पसोपेश में है। मल्लिकार्जुन खरगे लगातार राहुल गांधी को मनाने में जुटे हैं, लेकिन वह अब तक राजी नहीं हैं।

गौरतलब है कि, अमेठी सीट पर तो भाजपा की कैंडिडेट स्मृति इरानी लंबे समय से कैंपेन कर रही हैं। रायबरेली से अब तक पार्टी ने कैंडिडेट का ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि भाजपा भी इसी इंतजार में है कि पहले कांग्रेस अपना कैंडिडेट तय करे। माना जा रहा है कि कांग्रेस की ओर से प्रियंका को उतारने पर अदिति सिंह को मौका मिल सकता है। यदि प्रियंका नहीं उतरीं तो फिर मनोज पांडेय, दिनेश सिंह के नाम चर्चा में हैं। चर्चा यहां तक थी कि वरुम गांधी को भी भाजपा ने रायबरेली सीट ऑफर की थी, लेकिन उन्होंने लड़ने से इनकार कर दिया।

धार्मिक आधार पर आरक्षण के लिए कोई जगह नही- जेपी नड्डा

शिमोगा, एजेंसी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा कर्नाटक के शिमोगा में एक बौद्धिक बैठक में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि, राज्य में सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को ओबीसी कोटा से 4 फीसदी आरक्षण दिया था। उन्होंने मुस्लिमों के लिए आरक्षण पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, बीआर अम्बेडकर ने कहा कि धार्मिक आधार पर आरक्षण के लिए कोई जगह नहीं है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस चार बार कानून लेकर आई, जिसके जरिए उसने एससी/एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुस्लिम समुदाय को देने की कोशिश की। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम मुस्लिम समुदाय के खिलाफनहीं हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि संविधान स्पष्ट रूप से कहता है कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होगा, लेकिन ये लोग (कांग्रेस) धूर्त और विभाजनकारी मंसूबे रखते हैं। विपक्षी दलों पर 'विभाजनकारी राजनीति' में शामिल होने का आरोप लगाते हुए नड्डा ने कहा, कुछ दिन पहले एक वीडियो आया था और वे यह धारणा और माहौल बनाने की कोशिश कर रहे थे कि भाजपा एससी/एसटी और ओबीसी के खिलाफहै और अगर हम (भाजपा) सत्ता में आते हैं तो इन समुदायों के लिए आरक्षण खत्म हो जाएगा। जेपी नड्डा ने कहा, सीएम सिद्धारमैया केवल विभाजनकारी राजनीति और धर्म के बारे में बात करेंगे, उससे आगे कुछ नहीं। उनका एकमात्र एजेंडा समुदायों को विभाजित करना है। सिद्धारमैया हमेशा कहते हैं कि राज्य को उसका हक नहीं मिल रहा है। वह जो कह रहे हैं वह सही है। सिद्धारमैया को यह हक कभी नहीं मिलेगा। वे वे 'मिशन' में विश्वास नहीं करते, वे केवल 'कमीशन' में विश्वास करते हैं, जो उन्हें कभी नहीं मिलेगा।

सलमान खान फायरिंग केस के आरोपी ने की आत्महत्या

मुंबई।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग केस में पकड़े गए एक आरोपी ने आत्महत्या की कोशिश की है। उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। आरोपी पुलिस हिरासत में था, उसके साथ दो अन्य आरोपी भी हैं। जबकि, मामले में गिरफ्तार चौथे आरोपी को चिकित्सीय आधार पर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। मुंबई पुलिस ने बुधवार को मामले में जानकारी दी कि सलमान खान फायरिंग केस में पकड़े गए आरोपियों में से एक ने आत्महत्या का प्रयास किया। उसे जीटी अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी अस्पताल में मौत हो गई है। मृतक की पहचान अनुज थापन के रूप में हुई है। उस पर शूटरों को हथियार मुहैया कराने का आरोप था। थापन को मुंबई पुलिस ने एक अन्य आरोपी सोनू सुभाष चंदर (37) के साथ 25 अप्रैल को पंजाब से गिरफ्तार किया था। इसके अलावा 24 वर्षीय विक्की गुप्ता, 21 वर्षीय सागर पाल भी गिरफ्तार हुए थे। थापन, विक्की और सागर पाल मुंबई पुलिस की हिरासत में थे, जबकि सोनू कुमार चंदर बिश्नोई को चिकित्सा आधार पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सूत्रों से जानकारी मिली है कि, सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी के सिलसिले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के आरोपों का सामना कर रहे चार आरोपियों में एक ने मामले में सरकारी गवाह बनने की इच्छा जताई थी। हालांकि पुलिस ने उस आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया था कि वह कौन है। मुंबई अपराध शाखा से जुड़े सूत्रों ने बताया कि, जांच एजेंसी पहले किसी उच्च रैंकिंग अधिकारी के सामने आरोपी का कबूलनामा दर्ज करेगी और बाद में इसे मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा, इकबालिया बयान सबूत का हिस्सा होगा और इसका इस्तेमाल उसके साथ-साथ आरोपों का सामना कर रहे अन्य आरोपियों के खिलाफभी किया जाएगा। इसलिए आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया गया था।

कोर्ट की टिप्पणीः मजबूत नेता-एजेंसियां उन्हीं को काटने वापस आती हैं, जिनकी रक्षा की वे कसम खाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक आरोपी का इलाज करने वाले डॉक्टरों के बयान दर्ज करने के लिए कड़े पीएमएलए कानून का उपयोग करने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की खिंचाई की है। कार्यवाही के दौरान कोर्ट ने कहा, 'इतिहास यही सिखाता है कि मजबूत नेता, कानून और एजेंसियां आमतौर पर उन्हीं नागरिकों को काटने के लिए वापस आती हैं, जिनकी रक्षा करने की कसम वे खाते हैं।'

स्पेशल जज विशाल गोगने ने पारित आदेश में कहा कि, ईडी कानून से बंधी हुई है और इस कानून के तहत उन नागरिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं कर सकती जो कि संदिग्ध भी नहीं हैं। अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी को फटकार लगाते हुए कहा कि, धारा 50 के तहत प्रावधान का इस्तेमाल सबूतों के संग्रह या कार्यवाही से असंबंधित उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता है। कार्यवाही के दौरान अदालत ने कहा कि, न केवल अस्पतालों को पत्र भेजकर बल्कि धारा 50 पीएमएलए के तहत निजी अस्पतालों में डॉक्टरों की जांच करके ईडी अदालत से भी आगे निकल गई।

अदालत ने ईडी को ये फटकार 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले से जुड़े मामले में आरोपी और आरजेडी (राष्ट्रीय जनता दल) प्रमुख लालू प्रसाद के करीबी सहयोगी अमित कात्याल द्वारा दायर एक आवेदन पर सुनवाई के दौरान लगाई, जिसमें उन्होंने अपनी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाए जाने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने अंतरिम जमानत बढ़ाने की उनकी मांग को भी नहीं माना।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, आरोपी अमित कात्याल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के साथ डॉक्टरों की सांठगांठ के रत्ती भर भी आरोप के बगैर एक सामान्य नागरिक को धारा 50 की कठोर प्रक्रिया के अधीन करने को लेकर ईडी के पास कोई औचित्य नहीं था।

अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा, अगर इतिहास से कोई सबक सीखना है, तो यह देखा जाएगा कि 'मजबूत' नेता, कानून और एजेंसियां आमतौर पर उन्हीं नागरिकों को काटने के लिए वापस आती हैं जिनकी वे रक्षा करने की कसम खाते हैं...। ईडी द्वारा निजी अस्पतालों के कानून का पालन करने वाले डॉक्टरों के खिलाफधारा 50 का उपयोग इसी धारणा को बढ़ाने का एक ताजा उदाहरण है। सख्त कानूनों के इच्छित उद्देश्य की इस तरह की अनदेखी से जांच एजेंसियों को बचना चाहिए और अदालतों द्वारा सचेत रूप से निगरानी करनी चाहिए।

महिला के साथ की झूमा झपटी व मारपीट

पुलिस को सूचना देने के बाद भी मौके पर नहीं पहुंची अंत में घर की महिला उसको उठाकर ले गए

माही की गूंज, खवासा।

एक तरफ प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को कई सुरक्षा प्रदान करने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन आज भी कहीं ना कहीं महिलाएं किसी न किसी रूप में प्रताड़ित एवं यातनाएं सहने के लिए मजबुर ही हो रही है। कुछ ऐसा ही मामला ग्राम भामल में सामने आया जंहा महिला को राह चलते एक युवक द्वारा मारपीट व झूमा झपटी की जाती है। जिससे महिला रोड पर ही गिरकर घायल अवस्था में हो जाती है। बाजना मार्ग भामल में ग्रामीणों का बड़ा हुजूम लग गया। इस घटना को देखने वालो में प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, गोलू डामर ने उक्त महिला के साथ अभद्रता व झूमा-झपटी के साथ मारने की कोशिश की गई। बताते हैं कि, किसी पुराने रंजिश को लेकर यह घटना सामने आ रही है। हालांकि महिला के परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी लेकिन पुलिस का कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इसके बाद पुलिस प्रशासन पर भी सवालिया निशान उठ रहा है कि आखिर किस वजह से पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों का कहना है कि, इस तरह से पुलिस की लापरवाही बनी रहेगी तो कभी किसी की भी जान जा सकती है, तो वही अपराधी हमेशा खुल कर अपराधो को अंजाम देते रहेगे।

मामले में चौकी प्रभारी ने अपनी परेशानी बताते हुए कंहा कि, पुलिस हत्या के मामले में उलझी हुई है, फरियादी चौकी या थाने पर आकर रिर्पोट दर्ज कर दे, मेडिकल के साथ त्वरीत मामला दर्ज कर लिया जाएगा।

आरक्षण को छेड़ने वालों के हाथ जला देंगे, राज्यमंत्री गौतम के बयान के बाद बन गई विवाद की स्थिति

राजगढ़ (ब्यावरा)।

राजगढ़ में जांगड़ा मेघवाल समाज के सम्मलेन में राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने मंच से कहा कि, आरक्षण को कोई हाथ लगाकर देखे, हाथ जला देंगे। तभी एक युवक बीच कार्यक्रम में उठकर सामने आया और बोला मंत्री जी आपके सांसद बोल रहे हैं कि 400 पार करना है और भारतीय संविधान व आरक्षण को खत्म करना है। लोग, युवक को बोलने से रोकते रहे लेकिन वह नहीं रुका। जिसके बाद मंत्री जी वहां से निकल गए।

दरअसल, नरसिंहगढ़ इलाके के मंडावर में जांगड़ा मेघवाल समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन कार्यक्रम रखा गया था। इस कार्यक्रम में कई अधिकारी, सहित बड़े नेता पहुंचे थे। इस सम्मेलन में राज्यमंत्री गोतम टेटवाल भी कार्यक्रम में शामिल हुए और कांग्रेस के भी कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस दौरान समाजिक कार्यक्रम में अजाक्स के पदाधिकारी ने भाषण में कहा कि, बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की ओर से दिए आरक्षण को दबाया जा रहा है। एक लाख, चालीस हजार पद आज भी खाली हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा था कि, एक लाख पदोन्नति की पूर्ति कर देंगे, लेकिन ऐसा अभी तक नहीं हुआ, क्या सब सो रहे हैं। मंच पर मौजूद राज्यमंत्री गोतम टेटवाल भड़क गए और बोले में यहां राजनीति करने नहीं आया हूं। समाजिक कार्यक्रम को सफ्ल बनाने आया हूं. अगर आरक्षण को किसीने हाथ भी लगाया तो हम उसके हाथ जला देंग।

इतने में ही पास में भीड़ से एक युवक मुकेश मेघवाल निकल कर आया और बोला- मंत्री जी आपकी सरकार के चार सांसद बोल रहे हैं, 400 सीट चाहिए, 400 पार करना है, क्योंकि भारतीय संविधान और आरक्षण को खत्म करना है।

इधर, आप भाषण दे रहे हैं कि संविधान और आरक्षण को किसी ने हाथ लगाया तो हम उसके हाथ जला देंगे। जब आपकी पार्टी के सांसद ऐसा बोल रहे थे जब आपने स्टेटमेंट देकर क्यों विरोध नहीं किया? इतने में ही कांग्रेस कार्यकर्ता मुकेश मेघवाल और राज्यमंत्री के बीच जमकर कहासुनी हुई, लोग युवक को बोलने से रोकते रहे।

युवक का कहना है, मैं मंत्री जी से सिर्फसवाल कर रहा हूं. सवाल करना मेरा अधिकार है, कोई झगड़ा या गाली गलौज नहीं कर रहा हूं। विवाद इतना बढ़ गया है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और मंत्री के समर्थक को आस-पास खड़े लोगों ने पकड़ा, इतने में ही राज्यमंत्री को भोजन कराने का कह कर कार्यकर्ता बाहर ले गए।

स्कूल के हॉस्टल में मासुम बच्ची के साथ रेप, सीएम ने बनाई एसआईटी

भोपाल

मध्यप्रदेश के एक चर्चित प्राइवेट स्कूल के हॉस्टल में 8 साल की मासुम बच्ची से रेप का आरोप लगने के बाद से मामला गरमा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने इस भयानक घटना की जांच के लए एसआईटी बनाने के आदेश दिए है। घटना को लेकर सियासत भी तेज है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, मध्यप्रदेश गंभीर अपराध, अत्याचार और बलात्कार का दौर देख रहा है। मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार हो रहे हैं। पीड़ा पर मरहम लगाने की विपक्षी कोशिशों पर मुकदमे दर्ज हो रहे हैं, लेकिन, मुख्यमंत्री मुस्कुरा रहे हैं। चुनावी सभाओं में ताली बजवा रहे हैं।

बहरहाल राजधानी भोपाल में हुई इस वारदात के बाद पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफकेस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि, अभी यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि, आखिर यह घटना किस समय पर हुई है। मंगलवार की रात बच्ची के परिजनों की तरफसे शिकायत मिलने पर पुलिस ने धारा 376 और पॉक्सो ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

इस बात की भी आशंका है कि रेप से पहले लड़की को नशीला पदार्थ खिलाया गया था। इसपर पुलिस का कहना है कि, जांच के बाद ही इस बारे में पुख्ता तौर से पता चल पाएगा। पीड़िता का मेडिकल टेस्ट किया जा रहा है और उसका बयान दर्ज करने की कोशिश भी की जा रही है। इस मामले में सबूत जुटाने के लिए पुलिस की कई टीमें भी बनाई गई हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता की मां ने अपनी बेटी के साथ रेप किए जाने का यह आरोप लगाया है। कहा जा रहा है कि, बच्ची के प्राइवेट पार्ट में चोट आई है और सूजन भी पाई गई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि, चिकित्सीय परीक्षण के बाद ही इस विषय पर कुछ कहा जा सकता है। पुलिस स्कूल के हॉस्टल के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाल रही है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा शांतिपूर्ण निर्वाचन हेतु एक आदतन अपराधी को 3 माह के लिए जिला बदर का आदेश दिया

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आदतन अपराधी पंकज पिता वजहिंग डामोर (23) निवासी ग्राम धनपुरा थाना मेघनगर को जिला बदर किए जाने का आदेश दिया गया। जिला दंडाधिकारी द्वारा बताया गया कि इस आदतन अपराधी पर विभिन्न थानों में विभिन्न अपराधों के मामले पंजीबद्ध है और इसकी आपराधिक, असामाजिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लोक व्यवस्था एवं जनसाधारण के हित में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये आदेश दिया गया।

कांग्रेस का गड़ ढहा : कैबिनेट मंत्री के नेतृत्व में कांग्रेसी, भाजपा में शामिल

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

सारंगी क्षेत्र से ब्लॉक अध्यक्ष सहित प्रकोष्ठों के तीनों ब्लॉक अध्यक्षों के साथ अनेकों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सनातनी विरोधी मानसिकता के चलते ओर महिला बाल विकास कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के व्यवहार व माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के 400 पार के नारे को आत्मसात करते हुए सुश्री निर्मला भूरिया ने ओर मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी ने सारंगी के बैगनबर्डी में आयोजित बुथ सम्मेलन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिनारायण सिंह राठोर बोडायता, सारंगी उपसरपंच रंजित सिंह राठौर, युवक कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह राठौर, अजित सिंह राठौर, जितेंद्र वर्मा, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष दितुडी बाई डामर, नानुराम डामर बाछिखेड़ा, राजु गरवाल, लोकेश मालवीय, गड्डु भुरीया, तेजा भुरीया, रमेश गरवाल, प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल सचिव जयराज भट्ट ने भी कैबिनेट मंत्री से भाजपा का दुपट्टा पहना। हर कोई कांग्रेस कार्यकर्ता अब भाजपा में आने को तत्पर है।

जिलेवासियों से जुड़कर मतदान केन्द्र पर पंहुचने हेतु भीली बोली में आमंत्रण की पहल

माही की गूंज, झाबुआ।

आवो वोट दडवे नु तेडु के माध्यम से मतदान के लिए आमंत्रण भीली बोली में तैयार किया गया। जिसका विमोचन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना द्वारा सामान्य प्रेक्षक श्री वी संपत की उपस्थिति में किया गया। जिले में स्वीप गतिविधियों के तहत नवाचारों की श्रृंखला में भीली बोली में तैयार निमंत्रण पत्र जुड़ चुका है। इसी के साथ मतदाता जागरूकता के विभिन्न स्टिकरों का विमोचन भी किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना ने बताया कि, भीली बोली मे निमंत्रण देकर प्रत्येक फलिये तक के लोगो को मतदान केन्द्र पर बुलाये जाने के प्रयास जिला स्वीप टीम के माध्यम से किया जा रहा है। जिलेवासियों से जुड़?कर मतदान केन्द्र पर पंहुचने के लिए आकर्षित करने की पहल अपनायी गई है। इसी के साथ मतदाता जागरूकता के विभिन्न स्टिकर जब गाडियों, भवनों, अन्य स्थान पर लगाये जाएंगे तो अवश्य ही प्रभाव उत्पन्न करेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि, स्थानीय भीली बोली के माध्यम से प्रत्येक मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की पहुँच सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे है।

विमोचन के पश्चात समस्त अधिकारियों को मतदाता जागरूकता के बैज़ पहनाये गये एवं प्रत्येक व्यक्ति को मतदान केन्द्र पर लाये जाने हेतु स्टिकर का वितरण किया गया। कलेक्टर द्वारा सांकेतिक रूप से कलेक्टर कार्यालय मे जिलेवासी काका को आमंत्रण पत्र देकर मतदान अवश्य करने की अपील की गयी। इसी के साथ हस्ताक्षर अभियान और पुष्प से रंगोली बनाकर मतदान करने की अपील की गयी।

वोट दो और इनाम में पाओ डायमंड रिंग, फ्रिज

भोपाल।

लोकसभा चुनाव के दो चरणों में मतदान प्रतिशत काफी कम रहा है। ऐसे में इसे बढ़ाने और लोगों को वोट के लिए घरों से बाहर निकालने को चुनाव आयोग ने एक पहल शुरू की है। जिसके तहत अधिकारी वोटिंग के दिन मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हर दो घंटे में एक लकी ड्रा निकालेंगे। योजना के अनुसार, वोट डालने वाले मतदाताओं को हीरे की अंगूठियां, फ्रिज, टेलीविजन और अन्य उपहार जीतने का मौका मिल सकता है। भोपाल में तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होना है।

राज्य में इस बार बहुत कम मतदान हुआ है। पहले दो राउंड में औसतन 8.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। वैसे तो भोपालवासी कभी भी बहुत उत्साही मतदाता नहीं रहे हैं लेकिन 2019 में, जहां अन्य जगहों पर मतदान में बढ़ोतरी हुई थी, तब भोपाल में मतदान केवल 65.7 फीसदी तक पहुंचा था। चुनाव अधिकारियों को उम्मीद है कि इनाम पाने की चाहत इस बार मतदाताओं को घरों से बाहर निकालेगी। वोटिंग वाले दिन तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर जाने की उम्मीद है। जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने टीओआई को बताया, 'मतदान के दिन, हम प्रत्येक पोलिंग बूथ पर सुबह 10 बजे, दोपहर 3 बजे और शाम 6 बजे तीन लकी ड्रॉ निकालेंगे। इनमें से प्रत्येक ड्रॉ में एक विजेता को पुरस्कार दिया जाएगा। फिर, चुनाव के एक या दो दिन बाद, हम एक मेगा ड्रॉ निकालेंगे जिसमें विजेताओं को बड़े इनाम दिए जाएंगे। इस कदम का मकसद मतदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करना है।' बता देंकि भोपाल संसदीय क्षेत्र में 2,097 पोलिंग बूथ हैं। अगर बंपर इनाम को छोड़ दिया जाए तो 6,000 से ज्यादा लोग पुरस्कार जीतेंगे।

सिंह ने कहा, 'हम सीएसआर के तहत ये इनाम और पुरस्कार इकट्ठा कर रहे हैं। वोटिंग वाले दिन, प्रत्येक मतदान केंद्र पर (लॉटरी के लिए) एक बीएलओ और एक स्वयंसेवक (वॉलंटियर) तैनात किया जाएगा। हर बूथ पर एक कूपन बुकलेट होगी। दोनों यह सुनिश्चित करेंगे कि मतदाता अपना नाम और मोबाइल नंबर लिखें और उंगली पर स्याही लगने के बाद कूपन कलेक्ट करें। हम मतदाताओं से संपर्क करेंगे और प्रत्येक ड्रॉ के बाद उन्हें उपहार देंगे। हम हर बूथ पर पहले वोटर का सम्मान करेंगे।'

अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं जिविसेप्रा झाबुआ की अध्यक्ष श्रीमती विधि सक्सेना (प्रधान जिला न्यायाधीश) के मार्गदर्शन तथा जिविसेप्रा झाबुआ के सचिव/जिला न्यायाधीश हेमन्त सिंह की अध्यक्षता में 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर कृष्णा फोस्केस लिमिटेड मेघनगर ने झाबुआ में नालसा (असंठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सेवाऐं) योजना-2015 अंतर्गत विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता कर रहे जिविसेप्रा झाबुआ के सचिव व जिला न्यायाधीश हेमन्त सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि, हमारे देश में कई कानून हैं जो मजदूरों के हितो की सुरक्षा करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि, उन्हें न्यायोचित वेतन और कार्य करने की परिस्थितियां मिले। उचित वेतन, स्वास्थ्य महिलाओं को मातृत्व अवकाश का लाभ मिलने पर निश्चिय ही श्रमिक बंधुओं की कार्यक्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। श्रमिक विधियों में न्यूनतम वेतन कानून, कारखाना अधिनियम, और श्रम कानून शामिल हैं। कई बार श्रमिक बंधु विधि का ज्ञान न होने से अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं कर पाते। इसी कारण राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जाता है। श्री सिंह ने सभी उपस्थित लोगों से अपील की कि, वे इस जानकारी को अपने आस-पास के मजदूरों को भी प्रदान करे व सभी को मजदूर दिवस की शुभकामनाए दी।

शिविर में लीगल एड डिफेंस काउंसिल विश्वास शाह एवं शिवम वर्मा ने लीगल एड डिफेंस योजना, नालसा व सालसा की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। श्रम विभाग झाबुआ के सहायक श्रम निरीक्षक संजय कलेश ने भी अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। उक्त शिविर में फैक्ट्री एच.आर. हेमन्त शर्मा, जेनवाल एवं श्रमिक उपस्थित रहे।

ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट का द्वितीय रेण्डमाईजेशन संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संसदीय क्षेत्र रतलाम के ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट का द्वितीय रेण्डमाईजेशन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना और सामान्य प्रेक्षक की अध्यक्षता में 1 मई 2024 को प्रातः 11:30 बजे आयोजित किया गया। उक्त रेण्डमाईजेशन में संसदीय क्षेत्र रतलाम की समस्त विधानसभा का उनके सहायक रिटर्निंग अधिकारी की उपस्थिति में कर, ईवीएम एवं व्हीव्हीपेट पेयरिंग संपन्न हुई। यह प्रक्रिया राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर एस.एस.मुजाल्दा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यनारायण दर्रो, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अलीराजपुर सुश्री प्रियांशी भंवर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी झाबुआ हरिशंकर विश्वकर्मा, थांदला तरुण जैन, पेटलावद अनिल कुमार राठौर, सैलाना मनीष जैन, रतलाम ग्रामीण त्रिलोचन गोड, रतलाम शहर संजीव केशव पांडे, अलीराजपुर तपीश पांडे, जोबट वीरेंद्र सिंह बघेल, कार्यपालन यंत्री जलसंसाधन विभाग विपिन पाटीदार, जिला सुचना अधिकारी एनआईसी झाबुआ, अलीराजपुर एवं रतलाम, अन्य अधिकारी व कर्मचारी और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कॉंग्रेस नेताओं की गुलाटी भाजपा खेमे में लगातार जारी, गिरता जा रहा है कांग्रेस का जनाधार

सारंगी ब्लॉक अध्यक्ष, किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष सहित कई नेताओं ने छोड़ी कांग्रेस

माही की गूंज, पेटलावद

जैसे-जैसे लोकसभा के मतदान की तारीख निकट आ रही है, कांग्रेस नेताओं की पलटी मारना जारी है। एक के बाद एक कांग्रेस संगठन के वर्षो पुराने पदाधिकारी कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। रतलाम-झाबुआ लोकसभा सीट पर कांग्रेस और कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया को फिर बड़ा झटका लगा है। पेटलावद विधानसभा के सारंगी ब्लॉक अध्यक्ष अग्निनारायण सिंह, युवक कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह, युवा कांग्रेस नेता जयराज भट्ट, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष दित्तू बाई डामर ने कांग्रेस छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया। कांग्रेस के अभेद गढ़ कहे जाने वाले सारंगी क्षेत्र में बड़े नेताओं का इस तरह से पार्टी से मोह भंग होना एक बड़े नुकसान की ओर इशारा कर रहा है। इससे पूर्व कांग्रेस के किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष व ग्राम पंचायत करडावद के पूर्व उपसरपंच राधेश्याम आंजना ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता के साथ विभिन्न पदों से त्यागपत्र दे दिया है। राधेश्याम आंजना ने अपने समर्थक मोहन आंजना, महेंद्र आंजना, सेवाराम आंजना, गोपाल आंजना, लखन आंजना, रणछोड़ आंजना, ईश्वर आंजना के साथ पिछले दिनों झाबुआ में आयोजित मुख्यमंत्री की सभा के दौरान भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के सदस्यता ग्रहण करने के बाद आंजना ने बताया कि, वह वर्तमान में कांग्रेस, हिन्दू विरोधी हो चली है इससे वे रुष्ट है। इसी के साथ सबसे बड़ी बात यह है कि, 500 साल के इतिहास में भगवान प्रभु श्री राम को अपना स्थान जिस पार्टी ने दिलवाया। हम, हमारे समर्थक व देशवासी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के साथ है। इस बार निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा 400 पार होगी।

दीक्षा के पथ पर अग्रसर होने जा रही कृति का किया सम्मान

माही की गूंज, पेटलावद

पेटलावद ब्लाक के ग्राम बरबेट के मूल निवासी व वर्तमान में रतलाम में निवासरत दिनेश कुमार व श्रीमती सीमा पटवा की सुपुत्री मुमुक्षु कृति पटवा जो तीन मई को धर्मदास गणनायक व आचार्य श्री उमेश मुनि जी महाराज साहब के बुद्ध पुत्र प्रवर्तक श्री जिनेंद्र मुनि जी के पास रतलाम में दीक्षा अंगीकार करने जा रही है। जिनका सकल जैन समाज व पटवा परिवार ने जयकारा यात्रा निकालकर स्थानक भवन में सार्वजनिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया। दीक्षार्थी सुश्री कृति पटवा ने अपने सम्मान के प्रति उत्तर में कहा, आपकी कृति निवृत्ति के शुभ पथ पर प्रवर्त होने जा रही है।

मुझे जो जीवन मिला है उसे शुद्ध बनाकर सिद्ध बनाना है। गुरुणी पुण्य पुंज पुण्य शीला जी महाराज साहब व पेटलावद की गुरु बहनों साध्वी श्री अनुपम शीला जी, सुव्रता जी, महक श्री जी, आस्था जी के शुभ मार्गदर्शन में संयम पथ पर चलकर सिद्ध बनना है। श्री संघ अध्यक्ष अनोखी लाल मेहता ने कहा संयम, आदर्श पथ है जो अनुमोदनीय है एवं संघ की ओर से मंगल भावना व्यक्त कीं। अखिल भारतीय धर्मदास युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज जैन ने शुभकामनाएं देते हुए कहा आप सभी इच्छाएं त्याग कर एकमात्र मोक्ष की इच्छा कर संयम ले रही है आपकी यह इच्छा अवश्य पूर्ण हो। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष चेतन कटकानी, आशु कवि पदम् मेहता, कुमारी विधि पटवा व दीपांशी भंडारी, आदि ने अपने व्यक्तव्य दिए। सुनील कुमार पटवा ने सकल जैन श्री संघ को दीक्षा के सभी आयोजन में शामिल होने का निमंत्रण दिया। श्री संघ अध्यक्ष के साथ उपाध्यक्ष महेंद्र कटकानी, सचिव विनोद बाफना, नरेंद्र मोदी, नरेंद्र कटकानी, कातींलाल झाड़मता, जितेंद्र मेहता, बहु मंडल अध्यक्ष अनिता मोदी, महिला मंडल अध्यक्ष, अखिल भारतीय चंदना श्राविका संगठन के डूंगर प्राण की अध्यक्ष श्रीमती खुशबू कटकानी, तेरापंथ सभा अध्यक्ष मनोज गादीयां, मंदिर मार्ग संघ से मनोज जीवन वोरा, महावीर समिति अध्यक्ष संजय वोरा, सचिव विजय भंडारी, अरिहंत युवा वाहिनी के नव निर्वाचित अध्यक्ष पंकज पी पटवा, चिंतन मंडलोई ओर पटवा परिवार मांडोत परिवार करवड व अन्य कई संस्थाऔं ने उनका सम्मान किया। श्री संघ की ओर से प्रभावना वितरित की गई। पटवा परिवार की ओर से सकल जैन समाज की नवकारसी आयोजित की गई व अतिथियों की भोजन व्यवस्था भी की गई। राजेंद्र कटकानी ने संचालन किया।

शिव महापुराण कथा का आयोजन शुरू, निकली कलश यात्रा

माही की गूंज, सारंगी।

प्राचीन मनसा महादेव मंदिर प्रांगण पर सात दिवसीय संगीत मय शिव महापुराण कथा का आयोजन नगर वासियों एवं मंदिर समिति के संयोग से रखा गया है। शिव महापुराण कथा पंडित गोपाल कृष्ण महाराज देपालपुर के मुखारविंद से शुरू हुई।

कथा शुरू होने से पहले ढोल, बैंड बाजे के साथ ग्राम में कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य यजमान पवन गिरी गोस्वामी अपने सिर पर शिव महापुराण रख कर चल रहे थे। कलश यात्रा में महिलाएं, पुरूष एवं बच्चे बैंड की धुन पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। इस यात्रा का ग्राम में हर घर-घर से फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा भोलेनाथ मंदिर पर पहुंची वहां पर भी फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा के बात पंडित गोपाल कृष्ण महाराज ने व्यास पीठ पर विराजित होकर वीधी विधान से पूजन कर शिव महापुराण कथा प्रारंभ की। कथा श्रवण करने के लिए शिव भक्त, मंदिर प्रांगण में पहुंच कर कथा श्रवण कर रहे हे।

शिव महापुराण कथा 1 मई से 7 मई तक दोपहर 12 से दोपहर 3 बजे तक चलेगी उसके बाद महाआरती उतारी जाएगी एवं महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

स्थानीय समुदाय को मतदान के लिए किया प्रेरित

माही की गूंज, खवासा।

मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान खवासा के स्थानीय गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में हुआ, जहां विद्यार्थी, शिक्षक और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से मतदान जागरूकता को बढ़ावा दिया गया और लोगों को अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। जीवन विज्ञान के प्रशिक्षक अवधेश कुमार ने 13 मई को लोकतंत्र के महापर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक था अधिक से अधिक मतदाता को सजीव करना। लोगों को समझाया गया कि, उनके मत का प्रयोग करने से वे सशक्त नागरिक बनते हैं और उनकी आवाज़ को सुना जाता है। इस कार्यक्रम के लिए आभार शिक्षक दुर्गा प्रसाद पाटीदार ने व्यक्त किया।

कांग्रेस ने ऐसे प्रत्याशी को टिकट दिया, जिसने मेरे खिलाफ बूथ कैप्चरिंग कराई थी- रामनिवास रावत

श्योपुर।

मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण के मतदान के पहले जहां राजनीतिक दलों का प्रचार अभियान चरम पर पहुंच गया है। वहीं, कांग्रेस पार्टी को एक के बाद एक लग रहे झटकों का सिलसिला भी जारी है। इसी कड़ी में मुरैना-श्योपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। श्योपुर जिले में सीएम मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने 2 बड़ी सभाएं कर बीजेपी के पक्ष में वोट मांगे। इस दौरान कांग्रेस के कद्दावर नेता 6 बार के विधायक रामनिवास रावत ने बीजेपी का दामन थाम लिया और कहा कि कांग्रेस ने मेरे साथ कई दफा नाइंसाफी की। ऊपर से इस बार टिकट भी ऐसे प्रत्याशी को दे दिया जिसने मेरे खिलाफ दो बार बूथ कैप्चरिंग की।

मुरैना- श्योपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने जान फूंकते हुए श्योपुर जिले के विजयपुर कस्बे और प्रेमसर गांव में जनसभा आयोजित की. पहली सभा विजयपुर के मंडी प्रांगण में आयोजित हुई जिसमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा शामिल हुए। इस दौरान

विजयपुर के कांग्रेस से 6 बार के विधायक रामनिवास रावत और मुरैना नगरनिगम की महापौर शारदा सोलंकी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ले कांग्रेस पार्टी में खलबली मचा दी।

बीजेपी में शामिल हुए कांग्रेसी विधायक रामनिवास रावत ने कहा। कई मौके ऐसे आए जब मुझे पद दिए जा सकते थे, लेकिन उन्होंने हर बार मेरे साथ नाइंसाफी की. इस बार तो कांग्रेस ने लोकसभा में ऐसे प्रत्याशी को टिकट दे दिया, जिसने मेरे 2 लोकसभा चुनावों में मेरे खिलाफबूथ कैप्चरिंग कराई। वो एक भी दिन पार्टी का सदस्य नहीं रहा और न ही कभी एक दिन कभी मीटिंग ली, ऐसे व्यक्ति को टिकट दे दिया। रावत ने कहा कि मैं क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा में शामिल हुआ हूं। विकास के लिए राशि लेना और विकास के लिए काम स्वीकृत करना यही मेरी शर्तें हैं।

विजयपुर और प्रेमसर की आम सभाओं में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कांग्रेस पर जमकर जुबानी हमला किया और कहा कि पूरा देश चाहता है कि तीसरी बार फिर से मोदी सरकार बने। उन्होंने कहा कि पूरे देश से कांग्रेस साफ हो रही है. खजुराहो सीट का जिक्र करते हुए बीजेपी प्रत्याशी वीडी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के पास वहां प्रत्याशी नहीं है। उन्होंने इंदौर का जिक्र भी किया और कहा कि इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन पर्चा वापस खींचकर भाजपा में शामिल हो गया।

सीएम की सड़क यात्रा के लिए हटाये स्पीड ब्रेकर, एक कि जान

माही की गूंज, थांदला।

नगर के सीएम राइस व पीएम श्री स्कूल के बाहर सड़क पर एक ट्रक जीजे 05 बी जेड 0918 व बाईक में जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें आंगलियापाड़ा निवासी बबलू भुर्जी गरवाल (19) की असमय मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद लोगों की प्रतिक्रिया आने लगी है जिसमें वहाँ से नदारद स्पीड ब्रेकर व आसपास की खराब सड़क को कारण माना जा रहा है। पूर्व में एसडीएम ने कहा था कि, यहाँ स्पीड ब्रेकर इतने जरूरी नही है व नगर के अन्य प्रतिनिधि ही स्पीड ब्रेकर का विरोध कर रहे है। अब उक्त घटना व उससे परिवार में छाई मायूसी की जिम्मेदारी कौन लेगा यह विचारणीय प्रश्न है।

पहले बूथ कैप्चर होते थे, अब प्रत्याशी ही कैप्चर हो रहा है...

इंदौर।

इंदौर के प्रत्याशी अक्षय कांति बम के बीजेपी में शामिल होने पर एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि पहले बूथ कैप्चर होते थे, अब प्रत्याशी ही कैप्चर हो रहा है. उन्होंने कहा कि इंदौर का यह घटनाक्रम कलंकित करने वाला है. हमारे विधायक हारे पर हमने तो कोई गलत कदम नहीं उठाया। जीतू पटवारी ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि इस समय देश में राजनीतिक माफिया पनप रहा है. इससे पहले भी जीतू पटवारी ने बीजेपी के खिलाफअक्षय बम को डराने, धमकाने और यातना देने का आरोप लगाया था. बता दें कि इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति ने पहले अपना नामांकन वापस लिया और फिर बाद में कैलाश विजयवर्गीय से मिलकर बीजेपी में शामिल हो गए।

अक्षय कांति पर चल रहे तीन मुकदमे

अक्षय बम ने अपने अब तक के राजनीतिक करियर में एक भी चुनाव नहीं लड़ा है. अक्षय पर 3 अलग-अलग केस चल रहे हैं. चुनावी हलफनामे में भी बम ने इसका जिक्र किया है. इन्हीं में से एक मामले में पिछले दिनों बम के खिलाफकोर्ट ने हत्या के प्रयास की धारा 307 बढ़ा दी थी. हलफनामे में बम ने अपनी कुल प्रॉपर्टी 57 करोड़ रुपये बताई थी. पेशे से बिजनेमैन बम की सालाना आय 2.63 करोड़ है. साथ ही 41 किलो चांदी व 275 ग्राम सोना भी रखते हैं।

इंदौर में 23 उम्मीदवारों ने दाखिल किया था नामांकन

इंदौर लोकसभा सीट पर कुल 23 नामांकन दाखिल किए गए थे, जिनमें से 9 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है. लिहाजा अब इंदौर लोकसभा सीट पर मुकाबला 14 प्रत्याशियों के बीच होगा। अब इंदौर से बीजेपी प्रत्याशी और मौजूदा सांसद शंकर लालवानी समेत बाकी 14 उम्मीदवारों के लिए तय कार्यक्रम के मुताबिक मतदान होगा।

भाजपा कानून को ताक पर रखकर कर रही कार्य - उमंग सिंघार

इंदौर।

कांग्रेस नेताओं के लगातार भाजपा में शामिल होने पर मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का बयान सामने आया है। सिंघार ने कहा कि भाजपा जनता से जुड़े मुद्दों से भटकाने का काम कर रही है। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर उड़ी अफवाह पर उमंग सिंघार ने कहा कि लगता नहीं है कि, जीतू पटवारी की किसी से बात हुई होगी. साथ ही खुद के बीजेपी में शामिल होने के सवाल पर कहा कि जब सरकार जा रही थी तब नहीं गया, तो अब क्यों जाऊं ?

उमंग सिंघार ने आगे कहा, कई तरह के भाजपा ने प्रलोभन भी दिए लेकिन मैं उमंग सिंघार हूं, सिंधिया नहीं हूं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा के दिल्ली से लेकर भोपाल तक के नेता प्रयास कर रहे हैं और समय आने पर उन सभी को बताया जाएगा। वहीं, इंदौर लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम के भाजपा में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि अक्षय बम को बस इतना ही कहना चाहूंगा कि अक्षय बम, फुस्सी बम निकला।

इसके अलावा, विजयपुर से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने

कहा कि जब वह विधायक नहीं थे तब सिंधिया के साथ नहीं गए और जब विधायक बने तो मंत्री पद के लिए भाजपा में जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह केवल सत्ता भोगी लोग हैं, उनके जाने से कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ता है. दावा किया कि मुरैना लोकसभा सीट की विजयपुर विधानसभा से कांग्रेस की लीड देखने को मिलेगी। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कानून को ताक पर रखकर देश के अंदर काम कर रही है और यह संविधान बदलने का काम कर रही है. उन्होंने कहा कि भारत में ईडी, इनकम टैक्स की दबाव की राजनीति हो रही है. यदि कांग्रेस पार्टी 70 सालों से इस तरह की राजनीति करती तो भाजपा आज दिखाई नहीं देती।

पुण्य सम्राट की सातवीं वार्षिक पुण्यतिथि मनाई गई

माही की गूंज, थांदला।

पुण्य सम्राट श्री जयंतसेन सूरीश्वर जी महाराजा की सातवीं पुण्य तिथि पर थांदला में सुबह स्नात्रपूजा पढ़ाई गई। पूजा का लाभ पोरवाल, लुनावत, पींचा, लोढ़ा परिवार ने लिया पूजा के पश्चात जयंत सेन गुरु इक्कीसा कर गुरुदेव की वास्केप पूजा की। सभी बच्चों कों प्रोत्साहन राशि दी गई। दोपहर को सामूहिक जाप व सामायिक का आयोजन किया। प्रभावना का लाभ पोरवाल व लुक्कड़, लोढ़ा परिवार ने लिया।

संपादकीय

समुद्री रास्ते से नशीले पदार्थों की तस्करी

हाल ही में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की 86 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी भारत में नशे के बढ़ते कारोबार में विदेशी साजिश का खुलासा करती है। वैसे यह अकेली घटना नहीं है, हाल ही के वर्षों में अरबों रुपए के नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को-आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। पुराने अनुभव बताते हैं कि, जम्मू-कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से अर्जित धन को आतंकवाद के पोषण में लगाया गया। आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराया गया। पिछली मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी और नौसेना के साझे मिशन के जरिए केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपए बताई गई थी। यह देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। गत माह गुजरात के तट पर साठ पैकेट ड्रग्स ले जा रही एक नौका को जब जब्त किया गया तो छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3 हजार 300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरुआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। नशे का यह कारोबार अब अफगान सरकार की आय का बड़ा स्रोत भी है। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम समुद्र के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए गंभीर उपायों की जरूरत बताता है। जिसके लिए मजबूत कानून, प्रवर्तन एजेंसियों की भागीदारी, कुशल खुफिया-साझाकरण तंत्र, नौसेना व तटरक्षक बलों में तालमेल तथा आतंकरोधी दस्ते के जरिए निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है। यह भी विचारणीय प्रश्न है कि ये नशीले पदार्थ किस तरह व कहां भारत में बेचे जा रहे हैं। नशीले पदार्थों के मांग पक्ष को भी संबोधित करने की जरूरत है। नशीली दवाओं की रोकथाम के साथ ही पुनर्वास कार्यक्रमों में निवेश किया जाना चाहिए। साथ ही नशे के खिलाफ युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। उन उपायों को लागू करना होगा जो युवाओं को नशे से दूर रखने में मददगार हो सकें। जब भी नशे की कोई बड़ी खेप बरामद होती है तो हमारी चिंता बढ़ जाती है। सोमवार को पंजाब में नशे की एक बड़ी खेप के साथ ड्रग मनी व अन्य अवैध सामान बरामद किए गए। इस काले धंधे में अभियुक्त व्यक्ति ही नहीं, उसकी बेटी व दामाद भी लिप्त थे। यह नशे का सामान पाकिस्तान के रास्ते भारत पहुंच रहा था। सवाल उठता है कि यदि इतने बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी न होती तो कितने युवा नशीले पदार्थों का सेवन करके पथभ्रष्ट होते? देश का कितना धन विदेशों को चला जाता? इस नशे से मिलने वाला धन कालांतर में आतंकवाद व अपराध की दुनिया को मजबूत करता। हाल ही के दिनों में नशीले पदार्थों की भारी मात्रा में बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती कि देश में नशीले पदार्थों की खपत लगातार बढ़ रही है। जो निश्चित रूप से देश की युवा शक्ति को पतन के मार्ग की ओर ले जा रही है। देखा गया है कि नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले युवा कालांतर महंगा नशा जुटाने के लिये अपराध की दुनिया में उतर जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब व देश के अन्य भागों में हर साल हजारों युवा नशे की ओवरडोज से मौत की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में देश के भविष्य को बचाने के लिए हमें राष्ट्रीय स्तर पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने होंगे। पिछले वर्ष पंजाब में ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ भारत लाये जाने के तमाम मामले प्रकाश में आए। कई ड्रोन मार गिराए गए और भारी मात्रा में नशीले पदार्थ व हथियार भी बरामद किए गए। इन हालात में सुरक्षातंत्र को मजबूत करने, नशा मुक्ति अभियान चलाने व नशेड़ियों के पुनर्वास के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है।

लव जिहाद के बाद अब वोट जिहाद...

-राकेश अचल

जिहाद वैसे कोई आतंकी शब्द नहीं है लेकिन इसका जन्म चूंकि अरबी भाषा से हुआ है इसलिए सनातनी इसे आतंक का पर्याय मानने लगे हैं। जिहाद का शुब्दिक अर्थ जाने बिना देश में वर्षों से राजनीति हो रही है। पहले लव जिहाद के नाम पर हुई और अब वोट जिहाद के नाम पर हो रही है। लव जिहाद को लेकर भाजपा आक्रामक थी और वोट जिहाद कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद का जुमला है।

जिहाद का शब्दिक अर्थ होता है नैतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए की जाने वाली ज़द्दोज़हद या संघर्ष, किसी जायज़ माँग के लिए भरपूर कोशिश करना या आंदोलन। जिहाद का अर्थ मेहनत और मशक़्क़त करना भी है किन्तु जिहाद का दुर्भाग्य कि उस जैसे पवित्र शब्द का चरमपंथियों ने गलत अर्थ दुनिया को समझा दिया और अब ये आम जिंदगी से निकालकर सियासत का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। इसके लिए जितने चरमपंथी जिम्मेदार हैं उतनी ही भाजपा और कांग्रेस भी जिम्मेदार है। भाजपा ने जिहाद के बाद लव जिहाद को औजार की तरह इस्तेमाल किया तो मौजूदा आम चुनावों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने मुस्लिम मतदाताओं से सत्ता परिवर्तन के लिए वोट जिहाद करने की अपील कर दी और अब फंस गए। उनके खिलाफ बाकायदा आपराधिक मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश में मुसलमानों को लेकर सरकार अतिरिक्त रूप से संवेदनशील है, शायद इसीलिए खुर्शीद की भतीजी मारिया आलम के वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद फर्रुखाबाद पुलिस ने मारिया आलम और सलमान खुर्शीद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। दोनों नेताओं पर आईपीसी की धारा 188, 295 (ए) और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया। अब उत्तरप्रदेश की सरकार और पुलिस के ऊपर है की वो खुर्शीद साहब और उनकी भतीजी को गिरफ्तार करती है या नहीं? खुर्शीद साहब मुझसे उम्र में छह साल बड़े हैं, वे मुझे अपनी शराफत, नजाकत और बुद्धिमत्ता की वजह से शुरू से प्रिय रहे हैं। उनका मुसलमान होना एक संयोग है। वे

मुसलमान भी न होते तो एक मनुष्य के रूप में उतने ही चर्चित होते जितने की आज हैं। खुर्शीद भाई को पूरा देश जानता है। आज के विदेश मंत्री जयशंकर से ज्यादा जानता है। सलमान खुर्शीद एक भारतीय राजनीतिज्ञ, चर्चित वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रख्यात लेखक और कानून शिक्षक हैं। वे विदेश मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री थे। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से संबंधित हैं वह एक वकील और एक लेखक है (1) जो 2009 की आम चुनाव में फर्रुखाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। इससे पहले खुर्शीद 1991 में फर्रुखाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से 10 वीं लोकसभा के लिए चुने गए थे। वह जून 1991 में वाणिज्य के केंद्रीय उप मंत्री बने, और बाद में विदेश मामलों के राज्य मंत्री बन गए। खुर्शीद साहब शुरू में नेता नहीं बल्कि 1981 में प्रधान मंत्री कार्यालय में एक विशेष अधिकारी के रूप में पदस्थ थे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी उन्हें राजनीति में लेकर आयीं।

दरअसल जो लोग खुर्शीद को नहीं जानते उन्हें बता दूँ की सलमान खुर्शीद उस व्यक्ति का नाम है जो अपना घर फूंक्र क्र तमाशा देखने वाला है। एक लेखक है, एक अभिनेता है और बाद में जन नेता है। सलमान से असहमत लोगों ने सलमान खुर्शीद के नैनीताल स्थित आवास को आग तक लगा दी थी लेकिन न सलमान खुर्शीद बदले और न उनके स्वर। वे 1992 में जैसे थे वैसे ही 2024 में भी हैं। सलमान खुर्शीद और उनकी भतीजी को वोट के जरिये व्यवस्था बदलने के लिए जिहाद शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था, क्योंकि इस देश में आज भी कूढ़ मगज लोग जिहाद के नाम से भड़क जाते हैं, जैसे जिहाद कोई संक्रामक रोग हो! सलमान खुर्शीद की मजबूरी ये रही कि वे जिस इलाके में राजनीति करते हैं उस इलाके में उर्दू मातृभाषा के रूप में प्रचलित है। वे यदि परिवर्तन के लिए जिहाद शब्द का इस्तेमाल न करते तो मुमकिन था कि उनकी बात स्थानीय मतदाता समझ न पाता। इस देश में मुसीबत ये है कि जो होता है उसे वो माना नहीं जाता। जैसे जो हेट स्पीच है उसे हेट स्पीच नहीं कहा जाता और जो हेट स्पीच नहीं है उसे आनन-फानन में हेट स्पीच मान लिया जाता है। घृणा की भाषा के बारे में जब हमारे नेता नहीं जानते तो हमारी पुलिस उसके बारे में कैसे जान सकती है? पुलिस तो हुक्म की गुलाम है। उसके हाथ बंधे हैं। भारत में पुलिस के हाथ लम्बे जरूर होते हैं किन्तु उन्हें काम नहीं करने दिया जाता। हमारी पुलिस आज भी अंग्रेजों के जमाने कीपुलिस है। पुलिस तब बदलेगी जब देश का संविधान बदलेगा। संविधान तब बदलेगा जब मोदी जी तीसरी बार सत्ता में वापस आएंगे। तब तक हमें, आपको, सलमान खुर्शीद को इन्तजार करना होगा। अभी चुनाव के पांच चरण बाक़ी हैं, देखिये आगे-आगे होता है क्या? वैसे मै ईमानदारी से कहूँ कि आज आम चुनाव एक धर्मयुद्ध जैसा ही है। एकदम महाभारत के माफिक। लोकतंत्र में वोट जिहाद के बिना कोई तब्दीली आ ही नहीं सकती। इसलिए यदि आपके पास मताधिकार है तो आप वोट जिहाद यानि वोट से क्रांति कर सकते है।भाजपा भी यदि तीसरी बार सत्ता में वापस आएगी तो वोट कि जरिये ही।

तर्कहीन बयानों से जूझती चुनावी राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत में एक समय ऐसा भी था ज़ब राजनीति से आम जनमानस का विश्वास समाप्त होता जा रहा था। राजनीतिक दलों से जो अपेक्षा थी, सब जनता की इन अपेक्षाओं पर पानी फेरते दिखाई दे रहे थे। उस समय देश की यह अवधारणा बन गई थी कि अब भारत की राजनीति ऐसे ही चलती रहेगी। लेकिन 2014 के बाद देश ने एक नई राजनीति का साक्षात्कार किया। एक ऐसी राजनीति जिसमें सपने भी थे और एक उम्मीद भी थी। आज इस समय को दस वर्ष का समय व्यतीत हो गया है। सपने पूरे हुए या नहीं, यह तो परीक्षण का विषय है, लेकिन आज की राजनीति बदली हुई दिखाई देती है, यह अवश्य ही कहा जा सकता है। लेकिन आज भी जिस प्रकार से सत्ता प्राप्त करने की लालसा लेकर राजनीतिक दल राजनीति कर रहे हैं, वह प्रथम दृष्टया यही परिलक्षित कर रहे हैं कि राजनीतिक दलों के पास अपने कोई स्थायी सिद्धांत नहीं हैं। विपक्ष के दल वर्तमान केंद्र सरकार को घेरने के लिए कई प्रकार के राजनीतिक दांव पेच खेल रहे हैं, वहीं सत्ता धारी दल भाजपा भी किसी भी तरीके से पीछे नहीं कही जा सकती।

इस प्रकार की राजनीति के चलते देश का आम जनमानस निश्चित रूप से भ्रम की अवस्था में है। सारे दल अन्य दलों से अपने आपको बेहतर बताने की राजनीति कर रहा है। इसके लिए कुछ राजनीतिक दल अपने हिसाब से तर्क भी दे रहे हैं। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि इस बार विपक्षी दलों के राजनेता सधे हुए क़दमों से अपनी पारी को अंजाम दे रहे हैं। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक रूप से चोर कहने का दुस्साहस किया गया, उससे कांग्रेस की फ़जीहत हो गई थी, इतना ही नहीं राहुल गाँधी को माफ़ी भी मांगनी पड़ी। इस बार परिदृश्य बदला हुआ है। विपक्ष के नेता सरकार को लक्ष्य करके आलोचना कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि इन आलोचनाओं में भी वह धार नहीं है कि वह अकेले दम पर सरकार बनाने का सामर्थ्य पैदा कर सकें।

वर्तमान लोकसभा के प्रचार में विपक्षी दलों की ओर से जिस प्रकार की सक्रियता दिखाई जा रही है, उससे कमोवेश ऐसा ही लगता है कि विपक्ष ने इस चुनाव को आरपार की लड़ाई बना दिया है। यह सभी जानते हैं कि मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी लम्बे समय तक सत्ता का सुख भोगा है, इसलिए यह कहा जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस के नेताओं को सत्ता में बने रहने की आदत सी हो गई है। उनके बयानों में भी सत्ता प्राप्त करने की तड़प दिखाई देती है। यही तड़प चुनावी बयानों में पैनापन ला रही है। देश में अब दो चरणों के मतदान संपन्न हो चुके हैं, बचे हुए पांच चरणों के मतदान के लिए जोर आजमाईश की जा रही है। चुनावी रैलियों में राजनेताओं के बयानों की व्याख्या निकालने का क्रम भी चल रहा है। किसी बड़े मुद्दे पर समाचार चैनलों पर बहस भी होती है। इन बहस में सभी नेता अपने हिसाब से अर्थ निकाल कर बहस करते हैं। कोई किसी के कम नहीं दिखता, लेकिन इन बहस में लगभग विवाद जैसी स्थिति बनती दिखाई देती है। एक दूसरे से लड़ने की मुद्रा में आने वाले यह राजनेता शायद इस बात को भूल जाते हैं कि इसे जनता भी देख रही है और आज की जनता यह भी जानती है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसके बाद भी आम समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इन चर्चाओं को सुनकर भ्रमित भी होते होंगे। राजनेताओं द्वारा दावे के साथ कही जाने वाली किस बात को जनता सही माने, आज यह सबसे बड़ी चिंता है। चैनलों पर जो बहस होती है, उसमें अपनी पार्टी के विचार को कम रखा जाता है, सामने वाले की बात को जोरदार तरीके से नकारने की ही राजनीति की जाती है। विपक्षी नेताओं को इन्हीं बहसों के दौरान एंकरों पर दबाव बनाते हुए भी देखा और सुना जा सकता है। यह बहस का सारा खेल जनता को गुमराह करने वाला होता है। इसमें पूरी तरह से आम जन के मुद्दों का अभाव ही रहता है। इस कारण यह आसानी से कहा जा सकता है कि आज की राजनीति केवल विरोध करने तक ही सीमित हो गई है, इसमें रचनात्मक विरोध समाप्त होता जा रहा है। रचनात्मक विरोध का आशय यही है कि सामने वाले के अच्छे कार्यों का समर्थन भी किया जाए। लेकिन आज की राजनीति में ऐसा होना असंभव सा ही लगता है। ऐसा पिछले दस वर्षों में कुछ ज्यादा ही होता जा रहा है। जहां तक चुनावी मुद्दों की बात है तो विपक्ष की ओर से कोई ख़ास मुद्दे नहीं उठाए जा रहे हैं। जिस महंगाई और बेरोजगारी को विपक्ष मुद्दा बनाकर राजनीति कर रहा है, वह कोई नया नहीं है। यह दोनों ही मुद्दे लगभग हर चुनाव में उठे हैं, और हो सकता है आगे भी उठते रहेंगे, क्योंकि बेरोजगारी का मुद्दा तभी तक होता है ज़ब तक व्यक्ति केवल नौकरी की तलाश में बैठा रहता है। सरकार सबको नौकरी दे भी नहीं सकती, फिर चाहे कोई भी सरकार क्यों न हो। हाँ इस चुनाव में पिछली बार की तरह हिंदुत्व का मुद्दा भी सामने आया है। हिंदुत्व राजनीति का विषय नहीं हो सकता, यह तो असली भारत की आत्मा है। यह बात सही है कि आज की राजनीति और दस वर्ष पहले की राजनीति में ज़मीन आसमान का अंतर है। भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार की राजनीति करती हुई दिखाई दे रही है, उसका अंदाज निराला है, वहीं कांग्रेस के नेताओं के बयानों से लगता है कि वे ही शासन करने के लिए आए हैं, जबकि उनको यह मालूम होना चाहिए कि वह विपक्षी की भूमिका में हैं। इसके अनुसार ही उनके कार्यक्रम होने चाहिए, लेकिन कभी कभी विपक्षी नेताओं का व्यवहार ऐसा होता है, जैसे वे सरकार से बड़े हैं। विपक्ष की इसे एक बड़ी कमजोरी माना जा सकता है, क्योंकि सामने वाली पार्टी ने सत्ता पर कब्ज़ा नहीं किया, बल्कि लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आई है। विरोधी पक्ष को यह भी समझना चाहिए कि भारत में लोकतंत्र तभी तक जीवित है, ज़ब तक जनता की राय को महत्व दिया जाएगा। जनता के सही बात रखना चाहिए, ऐसी कोई बात नहीं आना चाहिए जिससे जनता भ्रमित हो। अन्यथा यह लोकतंत्र की भी हार होगी।

ड्रैगन के लगातार बढ़ते वर्चस्व की चुनौती

-केएस तोमर

हाल ही में चीन समर्थक, मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज्जू की भारी जीत भारत के लिए एक बड़ा झटका है। इस जनादेश के मायने यह भी हैं कि मालदीव की जनता भी चीन की ओर अपने राष्ट्रपति के राजनीतिक झुकाव का समर्थन कर रही है। इसके साथ ही, मुइज्जू ड्रैगन की सैन्य उपस्थिति के लिए जगह बनाने को अपने व्यक्तिगत एजेंडे को लागू करने के लिए तैयार है।

कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि मुइज्जू बेशक सफल राजनेता हैं लेकिन भूल रहे हैं कि कूटनीति में चरम स्थिति आत्मघाती भी हो सकती है। बहरहाल, चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य उपस्थिति के मकसद से मालदीव को लुभाने को उत्सुक है। सुरक्षा बलों को मुफ्त प्रशिक्षण देने के अलावा बीते मार्च में मालदीव और चीन द्वारा गैर-घातक हथियारों के लिए हस्ताक्षरित 'सैन्य सहायता' समझौते से स्पष्ट है, मुइज्जू की हालिया जीत उन्हें भारत विरोधी रुख अपनाने को प्रोत्साहित कर सकती है। बदले परिदृश्य में भारत को अपनी नीतियों में बदलाव कर मुइज्जू की गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। क्योंकि मुइज्जू ने तो 'इंडिया आउट' अभियान पर ही चुनाव जीता था। हाल ही में उन्होंने चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया, जिसमें उनकी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने 93 में से 66 सीटों पर कब्जा कर लिया। जो चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। बहरहाल, भारत के लिए ये अच्छे संकेत नहीं कि मालदीव से अपने सैनिकों को वापस लाना पड़ रहा है। भारत ने सैन्य कर्मियों को वापस लेने के मुइज्जू के फैसले पर सहमति व्यक्त की थी। उनके स्थान पर सिविल तकनीकी कर्मियों को नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर, नेपाल में भी चीन समर्थक विचारधारा वाले कम्युनिस्टों का शासन है। सरकार बदलने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली और वर्तमान प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच नया गठबंधन हो जाने की संभावना के चलते भारत के साथ आपसी संबंधों में असंतुलन पैदा हो सकता है। लेकिन भारत को पड़ोसी देश भूटान के साथ फिलहाल कोई समस्या नहीं है जबकि म्यांमार चुनौतियां पैदा कर सकता है। क्योंकि सैन्य शासक अपनी पकड़ ढीली कर रहे हैं और दुनिया को उम्मीद है कि भारत अपदस्थ आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों के साथ खड़ा रहेगा।

चीन इस क्षेत्र में अपने संबंधों का विस्तार करने में आगे बढ़ रहा है। क्षेत्र में पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों पर एक नजर डालें तो हमारे पड़ोसी को चीन को अपने पाले में लाने के लिए सावधानी बरतने की सख्त जरूरत है और इसका ताजा उदाहरण नेपाल है। सरकार बदलने के बाद, नेपाल का कम्युनिस्ट शासन वैचारिक रूप से ड्रैगन के प्रति प्रतिबद्ध है और उसकी 'ऋण नीति' के जाल में फंस रहा हैं जो खतरनाक है। वहीं पाकिस्तान के मामले में आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि चीन ने पाक को 23 अरब डॉलर का भारी कर्ज दिया है, जिसमें वे 10 अरब डॉलर भी शामिल हैं, जो बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के निमित्त काम करने वाले वाणिज्यिक बैंकों और अन्य ऋणदाताओं का बकाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान कभी भी इस ऋण से बाहर नहीं आ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सरकार को श्रीलंका के साथ रिश्ते सामान्य होने से कुछ संतुष्टि मिल सकती है। श्रीलंका के गंभीर आर्थिक संकट में भारत उसके बचाव में आया व आईएमएफके 48 महीने के विशेष पैकेज से भी अधिक डॉलर 4 बिलियन की आर्थिक सहायता और मानवीय सहायता प्रदान की। चीन मदद से पीछे हट गया था। चीन इस देश के लोगों की नजरों में बेनकाब हो गया है। भारत को बांग्लादेश के साथ भी कोई समस्या नहीं है जिसने गत 23 नवंबर, 2023 को भारत को अपने पड़ोस का सबसे बड़ा विकास भागीदार बताया था, जब दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने तीन भारतीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। कुछ पूर्व राजनयिकों का मानना है कि यदि चीन हमारे पड़ोसियों को हमसे दूर करने में सफल हो जाता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका भी प्रभावित होगा क्योंकि इससे सुरक्षा की गंभीर समस्या पैदा होगी। वहीं चीन की ऋण नीति उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद कर देगी। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए मालदीव और नेपाल के साथ भारत और अमेरिका को नयी रणनीति व लचीलेपन से कदम उठाने होंगे वरना भारत सीधे तौर पर प्रभावित होगा।

किसानों पर शिकंजे जैसा है 'फ्री ट्रेड' फार्मूला

-देविंदर शर्मा

मुक्त व्यापार कभी भी निष्पक्ष नहीं रहा। पहले की 'फेयर एंड लवली' क्रीम, जिसे अब 'ग्लो एंड लवली' नाम दिया गया है, की तरह फ्री ट्रेड दुनियाभर के बड़े कारोबारों को आसानी से आकर्षित कर सकता है ताकि ग्लोबल साउथ के देशों यानी गरीब व विकासशील देशों को इसकी विशाल आर्थिक क्षमता पर विश्वास हो सके। विवादास्पद 'फेयर एंड लवली' क्रीम ने भी त्वचा को कथित गोरा करने वाले कॉस्मेटिक उत्पाद के साथ ऐसा ही किया। 'गोरे' को सुंदर और 'सांवले' को बदसूरत समझना सांवली त्वचा वाले लोगों का उपहास करने जैसा था और अंततः कंपनी को जनता के दबाव के आगे झुकना पड़ा। मुक्त व्यापार को लेकर दबाव का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। इस साल की शुरुआत में यूरोप में विशाल किसान आंदोलन हुए। 27 यूरोपीय देशों में से 24 किसी न किसी स्तर पर विरोधों का सामना कर रहे हैं। इन आंदोलनों में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफ्टीए) को 'उखाड़ फेंकने' का आह्वान कर रहे थे जिसकी वजह से यूरोप में भोजन व फल-सब्जियां सस्ते हो गये व घरेलू किसानों की आजीविका सुरक्षित करना मुश्किल हो रहा था। फ्रांस अकेले अपनी फल और सब्जी की जरूरत का 71 फीसदी आयात करता है। भारत में, किसान आंदोलन 2.0 मुख्य रूप से कृषि उपज के लिए कानूनन बाध्यकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहा है, और इसकी अन्य मांगों में भारत को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से हटने के लिए कहना भी शामिल है। इस लेख में अमेरिका द्वारा हाल ही में अपनाए गये उस कड़े कदम का विश्लेषण करने का प्रयास किया जायेगा जो विकासशील देशों में बाजार की पकड़ और ज्यादा मजबूत करने को लेकर है। अमेरिका की तो हमेशा से विकासशील देशों के बाजार में पहुंच बनाने की तीव्र इच्छा रही है। जिसमें ध्यान का केंद्र स्वाभाविक तौर पर भारत का विशाल बाजार रहा है। अमेरिकी वित्त समिति की हालिया सुनवाई में, सीनेटरों के सवालों का जवाब देते हुए, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कैथरीन टाई ने कहा-'हम कड़ी मेहनत करने वाले अमेरिकी परिवारों और समुदायों, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए बाजार खोल रहे हैं। बातचीत के माध्यम से, हमारे प्रशासन ने पिछले तीन वर्षों में नए कृषि बाजारों तक 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की पहुंच सुनिश्चित की है,' और आगे कहा, 'इसमें वृद्धिमान बाजार, भारत के साथ 12 टैरिफ श्रेणियां शामिल हैं जो अमेरिकी निर्यातकों के लिए तरक्की का मौका हैं।'

हालांकि मेहनतकश अमेरिकी परिवारों और ग्रामीण समुदायों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की रुचि समझी जा सकती है लेकिन भूमंडलीकरण के तहत हर देश को उन दसियों हजारों किसानों की आजीविका की भी रक्षा करनी चाहिए जो दुनिया के किसी और हिस्से में सस्ते आयातों के चलते तबाह हो जाते हैं। यह न भूलें कि भोजन का आयात करना बेरोजगारी का आयात करने के समान है। मुझे याद है कि मैंने जर्मन किसानों से भी कमोबेश इसी तरह का प्रश्न पूछा था, जो दक्षिणी जर्मनी के लैंड्सफुहल में एक फार्म हाउस में डिनर के दौरान जीएटीटी निर्यातकों के एक छोटे समूह से मिलने आए थे (मेरी पुस्तकः गैट टू डब्ल्यूटीओः निराशा के बीज 1995. कोणार्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली)। यह 1990 के दशक के मध्य में किसी समय का वाकया है। 'मानता हूं कि आप सरप्लस खाद्यान्न का उत्पादन

करते हैं जिसके लिए आप दक्षिण में एक स्थाई बाजार की तलाश कर रहे हैं। लेकिन शायद आपको इस बात का अहसास नहीं है कि आप यहां जो सरप्लस अनाज पैदा करेंगे, वह भारत जैसे देशों में लाखों छोटे और सीमांत किसानों को उनके खेतों से दूर कर देगा। उन व्यापार वार्ताकारों के उलट, जो नष्ट हो रही कृषि आजीविका के बारे में दूर-दूर तक चिंतित हुए बिना, आजकल व्यापार वार्ता की अगुवाई करते हैं, मुझे वहां किसानों से जो उत्तर मिला, वह अत्यधिक समर्थन प्रदान करने वाला था। भारतीय किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका अधिशेष खाद्यान्न भारत में आजीविका को नष्ट कर देगा। जर्मनवासी किसान भारतीय किसानों की पीड़ा को समझ सकते थे और इसलिए चाहते थे कि सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

मैंने सोचा कि अमेरिका को भी उस असर का आकलन करना चाहिये जो बादाम, अखरोट और सेब समेत अन्य चीजों पर प्रतिरोधात्मक आयात शुल्क वापस लेने के बाद भारत पर पड़ेगा। चलो यहां सेब की बात करते हैं। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, 20 फीसदी आयात शुल्क वृद्धि वापस लेने के बाद जब पहली खेप भारत के लिए रवाना हुई तो सिएटल बंदरगाह पर उत्सव मनाया गया। जाहिर है, भारत वाशिंगटन के सेब के लिए 120 मिलियन डॉलर का बाजार प्रदान करता है, जिससे अमेरिका में 68,000 सेब उत्पादक किसानों को लाभ होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवंबर 2023 में आयात शुल्क आंशिक रूप से वापस लेने के एक महीने के भीतर 19.5 मिलियन डॉलर मूल्य के वाशिंगटन सेब भारत भेजे गए।

जैसा कि उम्मीद थी, यूएस कांग्रेस की सुनवाई में एक सीनेटर को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि भारतीय गेहूं सब्सिडी कीमतों को बिगाड़ रही है और इससे अमेरिकी किसानों को नुकसान हो रहा है। एक अन्य सीनेटर ने चावल सब्सिडी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अगर चावल सब्सिडी डब्ल्यूटीओ के मापदंडों के भीतर होती, तो इससे अमेरिकी धान किसानों के लिए 850 मिलियन डॉलर के व्यापार के अवसर खुल जाते। यदि आपका अंदाजा सही है, तो ये सीनेटर भारत में एमएसपी व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं जिसके तहत खासकर पंजाब और हरियाणा में गेहूं और चावल उत्पादक किसान, उच्च सुनिश्चित कीमतों से लाभान्वित होते हैं। अमेरिका ने बार-बार कहा है कि भारत किसानों को उत्पाद-विशेष के लिए समर्थन की 10 प्रतिशत की सीमा से अधिक एमएसपी भुगतान करके डब्ल्यूटीओ की शर्तों का उल्लंघन करता है।

आश्चर्यजनक तौर पर, ये आक्षेप बार-बार उस देश द्वारा लगाये जाते हैं जो दुनियाभर के कपास उत्पादकों को हानि पहुंचाने के लिए अपने देश के कपास उत्पादकों को दी जाने वाली भारी-भरकम सब्सिडी को बंद करने में विफल रहा हो। जरा तुलना ही करें तो, नई दिल्ली स्थित डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के अनुसार, अमेरिका अपने 8,100 कपास उत्पादकों को प्रति किसान 117,494 डॉलर की घरेलू मदद प्रदान करता है। इसके विपरीत, 9 मिलियन से अधिक संख्या वाले भारतीय कपास उत्पादकों को प्रति किसान मामूली 27 डॉलर मिलते हैं। अमेरिका द्वारा अपने किसानों को प्रदान की जाने वाली कपास सब्सिडी का विवादास्पद मुद्दा पश्चिमी अफ्रीका के देशों और भारत में लाखों कृषकों की आजीविका को खत्म करने के लिए जाना जाता है, साल 2003 में असफल कैनकन डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में एक प्रमुख मुद्दे के रूप में सामने आने के वक्त से अनसुलझा बना हुआ है। मुझे यह भी अजीब लगता है कि जब अमेरिकी सीनेटर उस हालात में भारत के झींगा उद्योग में बाल मजदूरी पर सवाल उठाते हैं जब अमेरिकी कृषि क्षेत्र सैकड़ों की तादाद में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को नियुक्त करने के लिए जाना जाता है, और कुछ तो 10-12 वर्ष की नाजुक उम्र में वाणिज्यिक फार्म्स में श्रम करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की तरह, मैं भी संसार में कहीं भी खेती के काम में बालश्रम का विरोधी हूं। लेकिन जब खेती के कार्य में बाल श्रमिकों को लगाने की बात आती है तो अमेरिका भी इससे अछूता नहीं। यह निष्पक्ष स्थिति नहीं जो स्वतंत्र व्यापार सुनिश्चित करती हो। फ्री ट्रेड का अपने आप में यह मतलब नहीं कि यह 'फेयर और लवली' है।

गाय को बचाने गया युवक पैर फिसलने से कूप में गिरा

माही की गूंज, शाजापुर।

शहर में दो गाय एक बिना मुंडेर के कूप में गिर गई, जिन्हें निकालने गए युवक का पैर फिसला और वह भी कूप में गिर गया। घटना के बाद वहां मौजूदा लोगों और पुलिस जवानों की मदद से उसे कूप से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वहीं, गायों को भी देर रात बाहर निकाल लिया गया।

शाजापुर शहर के बादशाही पुल क्षेत्र में एक बिना मुंडेर के कूप के नजदीक दो गाय लड़ रही थीं, जो लड़ते-लड़ते बिना मुंडेर के कूप में गिर गई। गायों को निकालने के लिए राधेश्याम पिता किशनलाल निवासी कुम्हारवाड़ा कूप के पास पहुंचा, लेकिन पैर फिसलने के कारण वह भी कूप में गिर गया। जिसके चिल्लाने की अवाज सुनकर आसपास के लोग कूप के पास पहुंचे और युवक को निकालने का प्रयास शुरू किया। काफी देर तक युवक को बाहर नहीं निकाल पाने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ देर बार 100 डायल पुलिस प्रधान आरक्षक मोहनलाल पटेल, पायलट विजेंद्र नागोर मौका पर पहुंचे और रस्सी की मदद से राधेश्याम को कूप से बाहर निकला गया। जिसके बाद पुलिस गाड़ी से ही उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। इसके बाद रेस्क्यू दल को कूप में गायों के गिरने की सूचना दी गई। रेस्क्यू दल ने मौके पर पहुंचकर देर रात दोनों गायों को बाहर निकाला।

46 ट्रकों में 590 गोवंश भरकर ले जाते ट्रकों को पुलिस ने पकड़ा

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले से गुजर रहे महू-नीमच राजमार्ग पर पुलिस ने थडोद टोल से 46 ट्रक पकड़े हैं। इनमें लगभग 590 गोवंशी को ले जाया जा रहा था। हालांकि ट्रक के साथ चल रहे लोगों का कहना है कि राजस्थान की मेड़ता सिटी में लगे पशु मेले से यह गोवंशी लेकर आ रहे हैं और इन्हें महाराष्ट्र के जलगांव, मप्र के खंडवा, हरदा सहित अन्य स्थानों पर लेकर जा रहे हैं।

ट्रकों में बैल व केड़े ही हैं। उनके खाने-पीने की भी कोई व्यवस्था नहीं थी और पशु चिकित्सक का कोई प्रमाण पत्र भी नहीं मिला। सभी गोवंशी को ट्रकों से उतारकर जिले की विभिन्न गोशालाओं में भेजा गया है। मामले में सभी ट्रक चालकों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

हिंदू संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचना दी थी कि, बड़ी संख्या में ट्रकों में गोवंशी का परिवहन हो रहा है। इस पर पुलिस ने महू-नीमच राजमार्ग पर थड़ोद स्थित टोल पर ट्रकों को रोकना शुरू किया गया। पुलिसकर्मियों ने ट्रकों में देखा कि हर ट्रक में 10 से 12 गोवंशी भरे थे। ट्रकों के के आगे कांच पर बलदेव पशु मेला मेड़ता सिटी की रवाना टोकन लगा हुआ था। पर ट्रक में सवार लोग अन्य कागजात नहीं दिखा पाए।इसके बाद सभी ट्रकों को पिपलियामंडी थाने पर ले जाया गया। ट्रकों में गौवंशियों के लिए न तो हरा चारा था और न ही पीने को पानी भी था। इसके बाद थाने पर ट्रकों से गौवंशियों को नीचे उतारकर अलग-अलग गोशाला में छुड़वाने की कार्रवाई शुरू की गई। साथ ही टैंकर व बाल्टियों से इन गोवंशियों को पानी पिलाते रहे।

एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया कि, सभी ट्रकों के चालकों पर पशू क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान गोवंशी से भरे सभी ट्रकों को महू-नीमच राजमार्ग पर खड़ा करा दिया था। आक्रोशित लोगों ने कुछ ट्रकों के कांच तक फोड़ दिए थे। शाम को गोवंशी को पानी पिला रहे लोगों ने देखा कि ट्रक आरजे 21 जीडी 3741 के केबिन से धुआं उठ रहा है। इस पर पशुओं को पुलिस ने तत्काल ट्रक की बैटरी के तार काट दिए। इससे बड़ी घटना होने से टल गई।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं को मतदान के लिए किया जागरुक

माही की गूंज, शाजापुर।

लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये जिले में शतप्रतिशत मतदान के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जनपद पंचायत शुजालपुर एवं कालापीपल के ग्राम मुबारकपुर, भरदी एवं गुन पिपली में मतदान के लिए जागरूक करते हुए ग्रामीण स्व-सहायता समूह की महिलाओं को मतदान की शपथ दिलाई और रांगोली बनाई गई।

ग्रामीण आजीविका मिशन स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा आगामी 13 मई 2024 को होने वाले मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और प्रत्येक महिला द्वारा अपने परिवार के समस्त सदस्यों का मतदान कराने की शपथ ली गई। इस अवसर पर ग्रामीण आजीविका मिशन ब्लॉक प्रबंधक श्रीमती वर्षा कुशवाह, सच्चिदानंद कुशवाह उपस्थित थे।

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए की गई छांव की व्यवस्था

माही की गूंज, मंदसौर।

गर्मी के तेवर अब दिन प्रतिदिन बढते ही जा रहे है। इस कारण अब भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में भी प्रबंध समिति द्वारा दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए छांव की व्यवस्था की गई है ताकि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को गर्मी के कारण परेशानी न झेलना पडे।

मंदिर में प्रतिदिन आने वाले भक्त रवि अग्रवाल ने बताया कि, मंदिर के प्रवेश द्वार पर चरण पादुका खोलना पडती है यहां से मुख्यमंदिर तक लगभग 400 मीटर पैदल चल कर जाना पडता है। ऐसे में गर्मी के कारण जमीन तप जाती है और श्रद्धालुओं को बहुत पीडा का सामना करते हुए मंदिर तक जाना पड रहा था। अब मंदिर प्रबंध समिति द्वारा छांव की व्यवस्था की गई जिससे भक्तों को राहत जरूर मिलेगी।

आकाशदीप से जगमगाया शहर का आसमान

माही की गूंज, मंदसौर।

लोकसभा निर्वाचन में मंदसौर जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार स्वीप की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। गतिविधियों के अंतर्गत जिले में मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य लगातार चल रहा है। इसी श्रृंखला में पीजी कालेज मैदान में 13 मई को मंदसौर वोट करेगा की थीम पर लोकतंत्र का आकाशदीप कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आसमान दीपों से जगमगा उठा। आकाशदीप कार्यक्रम में सभी विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूल के बच्चों, आम जनता, जागरूक मतदाताओं ने भाग लिया। जिले में मतदाता को जागरूक करने के लिए, मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप के माध्यम गतिविधियां शहर के साथ-साथ प्रत्येक गांव में लगातार चल रही है। आकाशदीप कार्यक्रम से मतदाताओं में बहुत उत्साह का माहौल दिखा। लाल रोशनी से पूरा मैदान ग्राउंड जगमगाने लगा। आकाशदीप कार्यक्रम में सामान्य प्रेक्षक सिद्दीकी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दिलीपकुमार यादव, सीईओ जिला पंचायत कुमार सत्यम सहित स्वीप की गतिविधियों से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित थे। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक मई को बाइक रैली निकाली गई। रैली महाराणा प्रताप बस चौराह प्रारंभ हुई। जो विभिन्न मार्गो से होती हुई पशुपतिनाथ मंदिर घाट तक पहुंची। बाइक रैली में सभी बाइक चालक हेलमेट लगाकर ही शामिल हुए।

मतदान नहीं करने की अपील पर शिक्षक निलंबित

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के ग्राम मेलघाटी प्राथमिक विद्यालय, संकुल शासकीय कन्या उमावि रावटी के शिक्षक मानसिंह देवदा को कलेक्टर राजेश बाथम ने निलंबित कर दिया है। शिक्षक ने सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित कर जनजाति समाज से लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान नहीं करने की अपील की थी। कलेक्टर ने बताया कि, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शासकीय सेवकों की सहभागिता से स्वीप कार्यक्रमों को संचालित कर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए गतिविधियां संचालित की जा रही है। शिक्षक ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का उल्लंघन किया है, उनका यह कृत्य गंभीर रूप से आपत्तिजनक होकर पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही तथा अनुशासनहीनता को दर्शाता है, स्पष्ट करता है कि वे शासकीय सेवा के प्रति कर्तव्य परायण नहीं है। अतः शिक्षक को निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय सीएम राइस विद्यालय सैलाना रखा गया है।

श्री अजित नाथ मंदिर में बच्चे करवा रहे स्नात्र पूजन

माही की गूंज, मंदसौर।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्वेताम्बर संघ के भगवान श्री अजीत नाथ मंदिर जनकुपूरा में स्नात्र मंडल के तत्वाधान में प्रतिदिन लाभार्थी परिवार के सहयोग से स्नात्र पूजन पढ़ाई जा रही है। इसमें नवाचार करते हुए प्रति रविवार को विशेष सामूहिक स्नात्र पूजन एवं अष्टप्रकारी पूजन विभिन्न लाभार्थी परिवारों के सहयोग से बच्चों द्वारा पढ़ाई जाती है। 24 मार्च से निरंतर समाज के बच्चे स्नात्र पूजन का लाभ ले रहे हैं। पूजन में पधारने वाले सभी बच्चों को लाभार्थी परिवार द्वारा प्रभावना दी जाती है। समाज के महेन्द्र छिंगावत ने बताया कि, श्री अजित नाथ जी मन्दिर में प्रतिदिन प्रातः सुबह 8.15 बजे से स्नात्र पूजन का आयोजन किया जाता है। इसमें प्रति रविवार को समाज के बच्चों के द्वारा स्नात्र पूजन संपन्न कराई जाती है। पूजन में मंदिर आने वालें रियांश मारवाड़ी , तन्मय व सिद्धि लोढ़ा, निशिका व लक्षिका सुराणा, दिया, दृष्टि कर्नावट, भव्या छिंगावत, रिदम नाहटा, जयम नाहटा, रिद्धि व दीक्षि सालेचा, लाव्या, मोक्षित जैन पोरवाल, मनन डांगी, दिशा कोठारी, कुंज कुदार आदि बच्चे पूजन का लाभ ले रहे हैं। स्नात्र पूजन की विधि महेंद्र छिंगावत, अमीत हिंगड़, सरेकुंवर डोसी, सुनीता खाबिया, ललिता कर्नावट, शकुंतला सोनगरा के सहयोग से बच्चों को सिखाई जा रही है।

कागजों में पर्यटन के रूप में विकसित हो रहा सातरुंडा कंवलका माताजी पहाड़ी क्षेत्र

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के सातरुंडा कंवलका माताजी पहाड़ी क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप मे विकसित करने को लेकर प्रशासन द्वारा कागजों में अब तक अनेक योजनाएं बनाई जा चुकी है, लेकिन धरातल पर स्थिति शून्य है। सितंबर 2021 में तत्कालीन कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कंवलका माताजी क्षेत्र के साथ बिलपांक के विरुपाक्ष महादेव मंदिर क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया था। ढाई वर्ष बीत जाने के बाद भी सातरुंडा कंवलका माताजी पहाड़ी क्षेत्र में विकास के नाम पर कोई काम नहीं हुआ है।

उल्लेखनीय है कि, सातरुंडा कंवलका माताजी की पहाड़ी 256 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली है। वन विभाग के अधिकारियों ने कंवलका माताजी पहाड़ी क्षेत्र में एडवेंचर गतिविधियों, नाइट कैपनिंग, ट्रेकिंग, हर्बल गार्डन के साथ विद्यार्थियों के लिए स्टडी भ्रमण के रूप में उक्त पहाड़ी क्षेत्र को विकसित करने की योजना बनाई थी।

सड़क निर्माण कार्य भी अधूरा

सिमलावदा से लेकर सातरुंडा कंवलका माताजी पहाड़ी तक मुख्यमंत्री द्वारा 5.1 किमी सड़क की सौगात क्षेत्रवासियों को दी गई थी। इसे लेकर सिमलावदा से लेकर सातरुंडा पहाड़ी से कुछ दूर पहले तक डामरीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। साथ ही पहाड़ी क्षेत्र में भी सीसी रोड का निर्माण कार्य किया जाना था। निर्माण कार्य वर्तमान स्थिति में अधूरा पड़ा है। सीसी रोड को पहाड़ी के नीचे सातरुंडा-बिरमावल रोड से जोड़ना शेष है। साथ ही रोड के आसपास साइड का निर्माण बाकी है।

रात में पसरा रहता है अंधेरा

सातरुंडा कंवलका माताजी पहाड़ी क्षेत्र में पर्याप्त लाइट की व्यवस्था नहीं है। इसके कारण कंवलका माताजी पहाड़ी क्षेत्र में शाम होते ही अंधेरा पसर जाता है। शाम होने के बाद भक्त माता के दर्शन के लिए आने में संकोच करते हैं। जानकारी के अनुसार पहाड़ी क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व एसडीएम द्वारा 10 सौर ऊर्जा लाइट लगाई गई थी, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र अधिक होने के कारण ये लाइट उक्त क्षेत्र के लिए पर्याप्त नहीं है। परियोजना अधिकारी अरुण पाठक ने बताया कि, पानी की पाइप लाइन डाली गई है। सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइट लगाई गई है। अन्य कामों के लिए विभाग को प्रस्ताव भेजा है। शेष काम आचार संहिता हटने के बाद होंगे।

घर के बाहर सो रहे युवक की हत्या, परिजन शव लेकर पहुंचे एसपी कार्यालय

माही की गूंज, रतलाम।

रावटी थाना क्षेत्र के ग्राम हरथल में घर (झोपड़ी) के बाहर सो रहे युवक की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ के लिए उसके भाई व पत्नी को थाने ले गई।उन्हें थाने ले जाकर बैठाने व हत्या को लेकर स्वजन व ग्रामीणों में रोष फैल गया।

पोस्टमार्टम के बाद स्वजन व ग्रामीण जीप में शव लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे तथा सीबीआई से जांच कराने की मांग की। इस दौरान उन्होंने जमीन विवाद के चलते कुछ लोगों द्वारा हत्या करने, पुलिस पर अभद्र व्यवहार करने तथा पोस्टमार्टम में देरी का आरोप लगाया। जिन लोगों पर आरोप लगाया जा रहा है, हत्या उन्होने की है अथवा अन्य ने यह पता नहीं चला है। 26 वर्षीय छोटू गरवाल पुत्र लालू गरवाल निवासी ग्राम अमरकुड़ी मजरा हरथल सोमवार रात ग्राम हरथल में अपने घर (झोपड़ी) के पास बाहर पलंग पर सोया हुआ था।कुछ दूरी पर उसकी पत्नी रेखा, ढाई वर्षीय पुत्री व छोटा भाई सोहन भी सो रहा था। रात 11 से साढ़े 11 बजे के बीच किसी ने छोटू की हत्या कर दी।

जानकारी मिलने पर पिता व अन्य स्वजन तथा गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और छोटू को रावटी के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंची। मंगलवार सुबह 11 बजे तक पोस्टमार्टम नहीं कराने से स्वजन व ग्रामीण नाराज हो गए तथा रावटी थाने पहुंचकर रोष व्यक्त करने लगे।

इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया।दोपहर करीब दो बजे पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया गया। स्वजन व ग्रामीण शव गांव न ले जाते हुए जीप में शव रखकर एसपी ऑफिस पहुंचे तथा मामले की सीबीआई से जांच कराने, मृतक छोटू की पत्नी व भाई को छोड़ने की मांग करने लगे।

सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे ने स्वजन ग्रामीणों से चर्चा कर समझाइश दी कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। मृतक की पत्नी व भाई को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है। किसी भी निर्दोष पर कार्रवाई नहीं होगी।जांच में जो दोषी होगा उसी पर कार्रवाई होगी। इसके बाद शव वहां से गांव ले जाया गया।

जमीन विवाद को लेकर लगाया आरोप

मृतक छोटू के पिता लालू गरवाल व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि छोटू अमरकुड़ी मजरा का रहने वाला है।कुछ ही दुरी पर स्थित हरथल में वह अपनी जमीन पर मकान बना रहा था, लेकिन गांव के अमरसिंह, दल्ला आदि यह कहकर मकान नहीं बनाने दे रहे है कि जमीन उनकी है। मकान का निर्माण रुका हुआ है। वहीं पास में छोटू झोपड़ी बनाकर कुछ समय से पत्नी व बच्चों के साथ रह रहा है।

दल्ला से उनका जमीन को लेकर विवाद काफी समय से चल रहा है। रात में सोते समय छोटू की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई। हलचल होने या आवाज होने पर पत्नी व अन्य लोगों की नींद खुली तो पता चला कि किसी ने छोटू की हत्या कर दी है।हमें शंका है कि हत्या अमरसिंह, दल्ला आदि ने की है।उनके खिलाफ कार्रवाई करे। छोटू के भाई व पत्नी को पुलिस ने रातभर से थाने पर बंद कर रखा है, हमें मिलने भी नहीं दे रहे है। जब परिवार के लोग मिलने गए तो पुलिस अभद्र व्यवहार कर भगा दिया। पत्नी व भाई को अंतिम संस्कार में तो शामिल होने दिया जाए।

जांच की जा रही है

मामले में सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे ने बताया कि, घटना के संबंध में रावटी थाना प्रभारी से चर्चा की है, मामले की जांच चल रही है। समय पर पोस्टमार्टम कराकर शव स्वजन को सौंप दिया गया है। मृतक की पत्नी,भाई व अन्य लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद जो दोषी होगा, उस पर कार्रवाई की होगी।

खुदाई में मिली एक हजार वर्ष पुरानी विष्णु भगवान की 9 मूर्तियां

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सब को चौंका के रख दिया है। दरअसल, यहां खुदाई के दौरान भगवान विष्णु की मूर्ति जमीन के नीचे से निकली है। जोकि करीब 1 हजार साल पुरानी है। यहां भवन के काम के लिए खुदाई की जा रही थी। इस दौरान एक के बाद एक 9 विष्णु भगवान की प्रतिमाएं निकली।

ये सभी प्रतिमाएं भगवान विष्णु की अलग-अलग भाव भंगिमा में है। जैसे ही इसकी जानकारी ग्रामीणों को मिली, वे भगवान के दर्शन करने पहुंच गए। सनावद थाना क्षेत्र के कानापुर में प्रतिमाएं मिली हैं। दरअसल नर्मदा के दक्षिणी क्षेत्र के कानापुर गांव में में कुछ दिनों से निर्माण कार्य चल रहा था। कॉलम के लिए जैसे ही जेसीबी से खुदाई शुरू की, अंदर से भगवान की 1 मूर्ति प्रकट हुई। इसके बाद मजदूरों ने और खुदाई करनी शुरू की तो 8 और मूर्तियां मिली।

इसके बाद लोगों ने मूर्ति को मिट्टी से निकालकर पानी से धोया। उन्होंने सरपंच को इसकी जानकारी दो जिसके बाद पुलिस के माध्यम से पुरातत्व संग्रहालय को भी सूचित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि, नर्मदा घाटी से सटे इस इलाके में कोई प्राचीन मंदिर रहा होगा। माना जा रहा है कि यहां और भी प्रतिमाएं हो सकती हैं।

जिले की इस स्कूल के 85 विद्यार्थियों ने दी 12वीं की परीक्षा, सभी फेल

माही की गूंज, बड़वानी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में जिले के खेतिया क्षेत्र में महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश के सीमावती दूरस्थ गांव मलफा में सभी विद्यार्थियों के अनुत्तीर्ण होने की विस्तृत समीक्षा और जांच की जा रही है। विद्यालय में पदस्थ 13 शिक्षकों में से पांच विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं। भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान के साथ ही हिंदी और अंग्रेजी विषय पढ़ाने की जिम्मेदारी भी इन्हीं शिक्षकों की थी, लेकिन उसके बाद भी परिणाम शून्य रहा। उक्त स्कूल में कक्षा नौवीं से 12वीं कक्षा के 300 विद्यार्थी दर्ज हैं। यहां 13 शिक्षक पदस्थ हैं। इनमें आठ स्थायी और पांच अतिथि विद्वान हैं।

दरअसल, उक्त स्कूल में कक्षा 12वीं में कला और विज्ञान संकाय में दर्ज 89 में से 85 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी और सभी अनुत्तीर्ण रहे। इसे लेकर गांव में रोष है। पालकों ने शिक्षकों पर पढ़ाई नहीं कराने और स्कूल नहीं आने जैसे आरोप लगाए हैं। पालकों का कहना है कि विद्यार्थियों ने यहां से परीक्षा केंद्र टेमला पर जाकर परीक्षा दी थी। क्षेत्र के ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग को स्कूल की अनियमितता की शिकायत करते हुए संपूर्ण स्टाफके विरुद्ध जांच व कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि स्कूल में पढ़ाई होती ही नहीं। कक्षा 12 वीं को पढ़ाने के लिए सभी विषयों के शिक्षक हैं। इनमें से पांच अतिथि विद्वान हैं।

अभिभावक रविंद्र पाटिल एवं जितेंद्र पाटिल का कहना है कि, हमारे बच्चे स्कूल जाते हैं, पर पढ़ाई नहीं होती है। शिक्षक हर दिन कोई बहाना ढूंढते हैं। कभी कहते हैं कि बीमार हैं, कभी चश्मा भूल गए, कभी सिर दर्द है। इससे हमारे बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। इस मामले में स्कूल के प्राचार्य आलोक सिसोदिया का कहना है कि, ऐसे परिणाम क्यों आए, हम इसकी समीक्षा कर रहे हैं। वहीं स्कूल के कक्षा 12वीं के रिजल्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए माध्ममिक शिक्षा मंडल को आवेदन भेजेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी शिला चौहान का कहना है कि, उक्त स्कूल के शून्य परीक्षा परिणाम को लेकर समीक्षा और जांच करेंगे। शिक्षकों ने क्या पढ़ाया, इसकी जांच करेंगे। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

राजनाथ सिंह ने किया कांग्रेस के विलुप्त होने का दावा

माही की गूंज, बड़वानी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज मध्यप्रदेश के खरगोन लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी गजेंद्र सिंह पटेल के समर्थन में बड़वानी में सभा करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, जिस तरह पूरी दुनिया से डायनासोर विलुप्त हो गए, मुझे लगता है कांग्रेस भी वैसे ही विलुप्त हो जाएगी। वर्षो बाद बच्चों के सामने इनका नाम लेंगे तो बच्चे भी पूछेंगे कि कौन कांग्रेस। खंडवा और खरगोन लोकसभा सीट के लिए 13 मई को मतदान होना है। इससे पहले राजनाथ सिंह ने खंडवा के पुनासा में भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में चुनावी सभा की। यहां उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा के अलग-अलग चुनाव का सिलसिला अब बंद होना चाहिए। ये चुनाव 5 वर्ष में एक बार में एक साथ होने चाहिए। यह भाजपा का संकल्प है।

गांधीजी ने भी कहा था- कांग्रेस को भंग कर दो

राजनाथ सिंह ने कहा कि, महात्मा गांधी की एक इच्छा को पूरा कर दो। आजादी मिलने के बाद गांधीजी ने कांग्रेस से कहा था कि कांग्रेस के झंडे तले हमने आजादी की लड़ाई लड़ी है। अब कांग्रेस को भंग कर दो। लेकिन कांग्रेस इसके लिए तैयार नहीं हुई। गांधीजी को ये सुनकर कितनी तकलीफ हुई होगी।

कांग्रेस डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगी

उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह पूरी दुनिया से डायनासोर विलुप्त हो गए, मुझे लगता है कांग्रेस भी वैसे ही विलुप्त हो जाएगी। वर्षो बाद बच्चों के सामने इनका नाम लेंगे तो पूछेंगे कौन कांग्रेस। इसके बाद राजनाथ ने कहा कि, हुमने तीन तलाक और जम्मू-कश्मीर से 370 को हटाने का संकलप लिया था, जोकि पूरा किया। हमने जो कहा, वो करके दिखाया। हम हिन्दू-मुस्लिम की राजनीति नहीं करते। जो भी भारत माता की कोख से पैदा हुआ, सभी हमारे भाई-बहन हैं।

गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता बिना लाइन में लगे डाल सकेंगे वोट

माही की गूंज, खरगोन।

लोकसभा चुनाव में 13 मई को अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें इसके लिए विशेष व्यवस्थायें की गई हैं। दिव्यांग मतदाताओं के लिए प्रत्येक मतदान केन्द्र में रैम्प के साथ ही व्हीलचेयर अथवा ट्राइसाइकिल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। दिव्यांग मतदाताओं को मतदान में किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए उन्हें विशेष छूट देते हुए तीन पहिया वाहन सीधे मतदान कक्ष तक जाने की अनुमति दी जायेगी। दिव्यांग मतदाताओं को बिना कतार में लगे सीधे मतदान करने की अनुमति भी होगी। दिव्यांग मतदाताओं के अलावा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुजुर्ग मतदाताओं और गर्भवती महिला मतदाताओं के लिए भी विशेष व्यवस्थायें की गई हैं। ऐसे मतदाता भी बिना लाइन में लगे सीधे मतदान कर सकेंगे।

व्यय प्रेक्षक ने ली सहायक व्यय प्रेक्षकों की बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन-बड़वानी लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-27 के प्रत्याशियों के चुनाव व्यय पर निगरानी रखने के लिए भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी यतिश मनी को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। व्यय प्रेक्षक यतिश मनी ने एक मई को खरगोन जिले के 4 विधानसभा क्षेत्र महेश्वर, कसरावद, खरगोन एवं भगवानपुरा के सहायक व्यय प्रेक्षकों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सहायक व्यय प्रेक्षकों से कहा कि, प्रत्याशियों के सभी तरह के चुनाव व्यय पर उन्हें पैनी नजर रखना है और यह कार्य पूरी सावधानी और जिम्मेदारी के साथ करना है। उन्होंने बताया कि, प्रत्याशियों के चुनाव व्यय लेखा की जांच के लिए 3, 7 एवं 11 मई की तिथियां निर्धारित कर दी गई है। प्रत्याशियों के व्यय लेखा की जांच के दौरान एफएसटी, एसएसटी, एमसीएमसी द्वारा दी गई रिपोर्ट एवं प्रत्याशियों द्वारा सभा, रैली आदि के लिए ली गई अनुमति के अनुसार हुए व्यय पर निगरानी रखना है। इस दौरान सहायक व्यय प्रेक्षक 185-खरगोन सौरभ मित्रा, प्रभारी अधिकारी ऋतुराज चौहान, सहायक व्यय प्रेक्षक 186-भगवानपुरा सुजीत घोष, सहायक व्यय प्रेक्षक 184-कसरावद उपेन्द्र यादव एवं सहायक व्यय प्रेक्षक 183-महेश्वर सुरेश मीणा उपस्थित रहे।

मतदाता शपथ जागरूकता अभियान

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत ईएलसी क्लब द्वारा शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएस डोडवे ने बताया कि, देश के हित में हमें मतदान करना आवश्यक है हम और हमारे घर परिवार के लोगों को भी मतदान करने के लिए अवश्य प्रेरित करना है। देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे इस प्रकार से बताते हुए शपथ ग्रहण करवाया गया है। इस शपथ ग्रहण अभियान में मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ. रेशम बघेल व समस्त स्टाफएवं विद्यार्थियों ने शपथ गृहण किया है।

स्व-सहायता समूह के माध्यम से मतदान केन्द्रों पर दिया जाए मतदान कर्मियों को भोजन- कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

लोकसभा निर्वाचन के तहत 13 मई को जिले में मतदान होना है। मतदान दल 12 मई की दोपहर तक मतदान केन्द्रों पर सामग्री लेकर पहुंच जायेंगे। अतः मतदान दलों के 12 एवं 13 मई के भोजन की सशुल्क व्यवस्था स्व-सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से की जाये। साथ ही मतदान दल के सदस्य मतदान केन्द्र से रवाना होते समय भोजन के शुल्क का भुगतान अनिवार्य रूप से महिलाओं को करे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने उक्त निर्देश आजीविका भवन राजपुर में आयोजित सेक्टर अधिकारी, पंचायत सचिव एवं जीआरएस की संयुक्त बैठक के दौरान कही। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा जिला पंचायत सीईओ काजल जावला ने विधानसभा राजपुर के मतदान केन्द्रवार नियुक्त सेक्टर अधिकारियों से मतदान केन्द्रों पर अभी तक की गई व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान अधिकारी द्वय ने निर्देशित किया कि अभी कुछ दिन का समय शेष है, अतः मतदान केन्द्र पर जो भी कमियां है उन्हे समय रहते पूर्ण किया जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राहुल फटिंग ने बताया कि, जिले में भी 7 से 9 मई तक ''चलो बूथ की ओर'' अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के दौरान ग्राम के सचिव, बीएलओ, जीआरएस, शिक्षक, पटवारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं कोटवार ग्राम के प्रत्येक घर में जाकर दस्तक देंगे तथा घर की देहरी पर पीले चावल डालकर उन्हे 13 मई को मतदान केन्द्रों पर मतदान करने हेतु आने का न्यौता देंगे। इस दौरान बीएलओ द्वारा मतदाता सूचना पर्ची का भी वितरण किया जायेगा। मतदाता सूचना पर्ची का वितरण करते समय बीएलओ अनिवार्य रूप से यह भी बतायेंगे कि मतदाता, मतदान केन्द्र पर मतदाता सूचना पर्ची के साथ फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड के अलावा आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) लेकर आये। साथ ही मतदान दल मतदान केन्द्रों के बाहर भी उपरोक्त दस्तावेजों का पोस्टर भी लगाये।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ काजल जावला, एसडीएम राजपुर जितेन्द्र कुमार पटेल, जनपद सीईओ राजपुर सहित विधानसभा राजपुर हेतु नियुक्त समस्त सेक्टर अधिकारी, जनपद पंचायत राजपुर के पंचायत सचिव, जीआरएस उपस्थित थे।

ईव्हीएम का द्वितीय रेंडमाईजेशन सम्पन्न

माही की गूंज, खरगोन।

एक मई को खरगोन-बड़वानी लोकसभा क्षेत्र के लिए ईव्हीएम का द्वितीय रेंडमाईजेशन कलेक्ट्रेट कार्यालय खरगोन के एनआईसी कक्ष में किया गया। यह रेंडमाईजेशन प्रत्याशियों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता, रिटर्निंग अधिकारी कर्मवीर शर्मा, सामान्य प्रेक्षक गोवेकर मयूर रतिलाल एवं लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 8 विधानसभा क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया। रेंडमाईजेशन का कार्य जिला सूचना विज्ञान अधिकारी राजेन्द्र पाटीदार द्वारा किया गया।

ईव्हीएम के इस द्वितीय रेंडमाईजेशन से यह तय हो गया है कि, विधानसभा क्षेत्र के किस मतदान केन्द्र पर किस क्रमांक की ईव्हीएम जाएगी। ईव्हीएम के प्रथम रेंडमाईजेशन में यह निर्धारित किया गया था कि कौन सी मशीन किस विधानसभा क्षेत्र में जायेगी। एक मई को द्वितीय रेंडमाईजेशन में लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-27 के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-183 महेश्वर के 250 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-184 कसरावद के 253 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-185 खरगोन के 257 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-186 भगवानपुरा के 269 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-187 सेंधवा के 307 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-188 राजपुर के 292 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-189 पानसेमल के 287 मतदान केन्द्र एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-190 बड़वानी के 340 मतदान केन्द्रों के लिए ईव्हीएम का निर्धारण हो गया है। ईव्हीएम के द्वितीय रेंडमाईजेशन के बाद प्रत्याशियों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्त्ताओं को विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर जाने वाली ईव्हीएम के बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट एवं व्हीव्हीपेट मशीन के क्रमांक वाली सूची सौंप दी गई है।

मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से मतदान का दिया संदेश

माही की गूंज, बड़वानी।

लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत् प्रतिशत् मतदान करने के लिये निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय, बड़वानी में प्राचार्य डॉ. वंदना भारती के मार्गदर्शन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजन कर मतदान से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बाते, ईवीएम मशीन से वोट डालने की प्रक्रिया और मतदान डालने का क्या महत्व है। इन सभी को छात्राओं ने अपनी कल्पना से मेहंदी में स्लोगन के माध्यम से सबके सामने प्रस्तुत किया। लोकतंत्र की रक्षा के लिये प्रत्येक मतदाता का मतदान देश के लिये आवश्यक है। प्रतियोगिता में स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. इन्दु डावर, ने अपने उद्बोधन में कहा कि कई बार हार जीत एक वोट पर निर्भर करती है ऐसी परिस्थिति में प्रत्येक वोट का महत्व होता है जो निर्णायक सिद्ध होता है। उक्त प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं ने मतदाताओं को शत् प्रतिशत मतदान करने के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. एन.एल. गुप्ता, डॉ. कविता भदौरिया, डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा, डॉ. रविन्द्र बरडे, रासेयो अधिकारी डॉ. सुनीता भायल, डॉ. प्रियंका देवड़ा, प्रो. सीमा नाईक, डॉ. विक्रमसिंह भिड़े, प्रो. शोभाराम वास्केल, श्रीमती रेखा बिसेन, कृष्णु यादव, संदीप दासौंधी समस्त स्टॉफसहित छात्राएँ उपस्थित रही।

जिलाबदर बदमाश अवैध शराब परिवहन करते गिरफ्तार, देशी पिस्टल भी हुई बरामद

माही की गूंज, झाबुआ।

पुलिस थाना राणापुर एवं पुलिस चौकी कुन्दनुपर की पुलिस को बडी मात्रा में अवैध शराब के परिवहन की विश्वसनीय मुखबीर सुचना प्राप्त हुई थी। जिस पर पुलिस टीम ने समोई टांडी रोड पुलिस के पास घेराबंदी कर एक सफेद रंग की बोलेरो वाहन क्रमांक जीजे 17 सीई 2783 को चेकिंग के दौरान घेराबंदी कर आरोपी रावजी पिता छतरसिहं गणावा (35) निवासी सनदा थाना चन्द्रशेखर आजाद नगर जिला अलिराजपुर को पकडा। आरोपी रावजी गणावा के कब्जे से अंग्रेजी शराब की कुल 27 पेटिया कुल शराब 290.4 बल्क लीटर एवं बोलेरो वाहन जप्ती की गई। आरोपी रावजी की तलाशी लेते आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल भी जप्त की गई। आरोपी रावजी के विरुध्द थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 312/2024 धारा 34(2), 36, 46 आबकारी एक्ट व अपराध क्रं. 313/2024 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

जिलाबदर निकला आरोपी

विवेचना के दौरान पता चला कि, आरोपी रावजी को जिला दण्डाधिकारी जिला अलिराजपुर से आदेश क्रमांक 1501 / निष्काषन / रीडर / 2023 दिनांक 14 नवंबर 2023 के आदेश के तहत 6 माह के लिए अलिराजपुर जिले से जिला बदर किया गया था। जिसके पालन में आरोपी रावजी ने उक्त आदेश उल्लंघन करने पर थाना राणापुर पर अपराध क्रं. 314/2024 धारा 14 रासुका का पंजीबध्द किया गया।

जीतू पटवारी और कांग्रेस विधायक की बढ़ेगी मुश्किलें

माही की गूंज, अलीराजपुर।

लोकसभा चुनाव के बीच मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और एक विधायक बुरे फंस गए हैं। जीतू पटवारी और कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया के खिलाफ अलीराजपुर में मामला दर्ज हुआ है। दोनों नेताओं पर गैंगरेप पीड़िता के परिवार की पहचान उजागर करने का आरोप है।

जोबट थाना क्षेत्र में पिछले दिनों नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों का नेताओं से संबंध होने की बात सामने आने पर जीतू पटवारी और विधायक विक्रांत भूरिया पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे।

आरोप है कि, दोनों नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट पर पीड़ित परिवार से मुलाकात की तस्वीर शेयर की। सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करने से पीड़ित परिवार की पहचान उजागर हो गई। जोबट पुलिस ने दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। अलीराजपुर एसपी राजेश व्यास के मुताबिक रेप मामले में पीड़ित परिवार की पहचान उजागर करना आपराधिक कृत्य है। इसलिए जोबट थाने में दोनों नेताओं पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

बुरे फंसे जीतू पटवारी और विक्रांत भूरिया

एसपी ने बताया कि, पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधायक विक्रांत भूरिया के खिलाफ अपराध सिद्ध होने पर 6 माह से लेकर 2 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि, अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। कुछ धाराओं में 6 महीने की सजा का प्रावधान है जबकि कुछ धाराओं में 2 वर्ष तक की सजा हो सकती है। राजेश व्यास ने बताया कि, सोशल मीडिया पर अपलोड की गई तस्वीर में एक तरफ विक्रांत भूरिया बैठे हैं, दूसरी तरफ जीतू पटवारी और बीच में गैंगरेप पीड़िता की मां बैठी हुई है।

अलीराजपुर पुलिस ने दर्ज किया मामला

उन्होंने कहा कि, फोटो किसी और ने खींचा है हालांकि उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो अपलोड नहीं किया गया है। इसलिए दोनों के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामला संज्ञान में आने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन अभी विवेचना होना बाकी है। इस मामले में पुलिस दोनों आरोपियों को नोटिस भेजेगी। नोटिस तामिल होने के बाद दोनों से जवाब मांगा जाएगा। जवाब आने के बाद आपराधिक मामला न्यायालय तक पहुंचेगा।

इस गर्मी में दो पुण्य महान, एक जल और दूजा मतदान- कलेक्टर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में संवाद के सकोरे एवं ज्ञान के गिलास वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर डॉ. बेडेकर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक चौधरी ने अपने हाथों से जल भर कर राहगीरों एवं उपस्थित नागरिकों को सकोरे एवं गिलास वितरित किए। सकोरे एवं गिलास पर मतदान करने की अपील के स्टीकर भी चस्पा किए गए थे।

इस दौरान कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने इस कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि, इस कार्यक्रम के माध्यम से गर्मी में दो पुण्य के काम किए जा रहे है पहला प्यासे को पानी और दूसरा अपने लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मतदान के लिए प्रेरित करना। जिला प्रशासन इस गर्मी को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के लिए सकोरे वितरित कर उनके लिए पानी की व्यवस्था के साथ लोगो को मतदान करने का संदेश दे रहा है। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य जिले में मतदान के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होने बताया कि, मतदाता जागरूकता के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न प्रकार के नवाचार कर लोगो को जागरूक करने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा और सकोरे वितरण का कार्यक्रम अन्य अनु विभागों में भी किया जाएगा। इस दौरान कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने मतदान जागरूकता प्याऊ का भी उद्घाटन किया गया। नगर पालिका कर्मचारी श्री आशुतोष दूबे द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। मंच का संचालन शिक्षक श्री अविनाश वाघेला द्वारा किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा चौहान, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियांशी भंवर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तपीस पांडे, सीजी गोस्वामी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री निधि मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी नगर पालिका अधिकारी कमल मुजाल्दा एवं नगर पालिका का अमला भी मौजूद था।

समर कैम्प मे सिखाई जाएगी कोडिंग एवं फाइन आर्ट्स की कई विधाए- एसडीएम बघेल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशन पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विरेन्द्र सिंह बघेल के नेतृत्व में शाला के प्रबंधन समिति शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोबट द्वारा 5 मई से 5 जून तक प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैम्प) आयोजित किया जाएगा। बघेल ने बताया कि, जिले के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जिले में पहली बार ग्रीष्मकालीन शिविर में कम्प्यूटर बेसिक एवं कोडिंग भी सिखाया जाएगा। इसके साथ नृत्य, पेंटिंग, रचनात्मक लेखन के द्वारा कल्पनाशील सोच का संचार किया जाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान बच्चों के शारीरिक विकास के लिए एथेलेटिक्स एवं क्रिकेट जैसी गतिविधि भी कराई जाएगी। अनुविभागीय अधिकारी बघेल ने बताया कि, बच्चों के तनाव प्रबंधन एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रेरित करने के लिए योग एवं ध्यान की कक्षाएं भी आयोजित की जाएगी। उन्होने बताया कि, इस समर कैम्प का संचालन विद्यालय के प्राचार्य अरविंद बघेल द्वारा किया जाएगा। समर कैम्प में सहभागिता शुल्क मात्र 100 रुपए रहेगा जिसका रजिस्ट्रेशन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोबट में किया जा सकता है।

जिले के अलग-अलग स्थानों पर स्वीप कार्यक्रम के तहत गतिविधियां आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप नोडल अधिकारी अभिषेक चौधरी ने बताया कि, जिला कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशानुसार जिले के थोड़सिंधी में एकीकृत शासकीय हाईस्कूल द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली का आयोजन किया। इस रैली में शिक्षक समेत जमीनी अमले द्वारा मतदान हमारा अधिकार है, सारे काम छोड दो सबसे पहले वोट दो, 13 मई को आना होगा वोट जरूर देना होगा आदि प्रकार के नारे लगाकर ग्रामीणों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इसी तरह शासकीय कन्या मा. वि. जोबट के शिक्षकों द्वारा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान करने एवं अपने परिचितों को मतदान कराने की शपथ भी दिलाई गई। मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत नानपुर में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं दीदियों द्वारा वोट नाखनू चालों जन जागरूकता रैली एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आश्रम में हैवानियत, पंडिताई सीख रहे नाबालिगों संग अनैतिक कार्य करता था आचार्य

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन में पंडिताई सीखने आए तीन किशोरों के साथ अनैतिक कार्य करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। तीनो किशोरों ने मंगलवार देर रात महाकाल थाने पहुंचकर आश्रम के दो आचार्यो के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने एक आचार्य को हिरासत में ले लिया है, जबकि दूसरा आचार्य फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

उज्जैन के बड़नगर रोड स्थित धनी आश्रम में तीन नाबालिक किशोर पंडिताई सीखने पहुंचे थे। तीनों किशोर मंदसौर, राजगढ़ और देवास से यहां आए हुए थे। किशोरों ने आरोप लगाया कि आश्रम के दो आचार्य उनके साथ अनैतिक कार्य करता था। तीनों किशोरों ने मंगलवार देर रात महाकाल थाने पर पहुचकर आश्रम के अजय आचार्य ओर राहुल आचार्य के खिलाफ पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एक आरोपी आचार्य राहुल को हिरासत में ले लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार

राजगढ़ जिले के 14 वर्षीय किशोर की शिकायत पर पुलिस ने आश्रम के अजय आचार्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मंदसौर के 14 वर्षीय नाबालिक किशोर की शिकायत पर आश्रम के राहुल आचार्य के खिलाफप्रकरण दर्ज किया गया है। जबकि देवास जिले के 12 वर्षीय किशोर की शिकायत पर अजय आचार्य के खिलाफमामला दर्ज किया गया है। तीनों किशोरों ने पुलिस को बताया कि, पिछले कई दिनों से आश्रम के अजय आचार्य और राहुल आचार्य उनके साथ अनैतिक कार्य कर रहे थे। आचार्य अपने कमरे में अकेले बुलाते थे गलत कार्य करते थे। विरोध करने पर डराते धमकाते थे। उन्होंने आचार्य पर आरोप लगाते हुए कहा कि आश्रम के बीस से ज्यादा किशोरों के साथ इन दो आचार्यो ने गलत कार्य किए हैं। एक आचार्य की शिकायत कुछ दिन पहले की गई थी तो आश्रम के लोगों ने उसे भगा दिया था। महाकाल थाना प्रभारी अजय वर्मा ने बताया कि, मंगलवार देर रात 12 बजकर 30 मिनट पर नाबालिगों ने आश्रम के दो आचार्यो के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच पड़ताल के बाद दो लोगों पर मामला दर्ज किया है। दोनों आश्रम में पंडिताई की शिक्षा देते हैं। मामले में एक आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है वहीं दूसरा आरोपी अभी फरार है। उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मतदान दल, मतदान की समूची प्रक्रिया को स्वयं करके देखें- कलेक्टर

माही की गूंज, धार।

मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का सिलसिला सभी विधानसभा क्षेत्रों में तय स्थानों पर आरंभ हो चुका है। यह प्रशिक्षण तीन मई तक चलेगा। कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा ने प्रशिक्षण प्रदान करने वाले मास्टर ट्रेनर्स को निर्देश दिए हैं कि, ऐसी व्यवस्था हो कि समूचा मतदान दल मतदान की प्रक्रिया को स्वयं करके देख ले। इस हेतु एक कक्ष में डमी मतदान केंद्र स्थापित कर उन्हें पूरी प्रक्रिया समझने और करने का अवसर प्रदान किया जाए। पूर्वानुसार प्रशिक्षण की बुनियादी व्यवस्थाएं यथावत रहें।सुनिश्चित करें कि निर्धारित समय से प्रशिक्षण प्रारंभ और समाप्त हो। चूँकि इस बार पिओ, पी1 के साथ पी2, पी3 भी होंगे अतः प्रत्येक मतदान अधिकारी को उनके कर्तव्य के अंतर्गत क्या करना है और कैसे करना है, यह स्पष्टता के साथ बताया जाए। पूरा दल ईवीएम की कार्यप्रणाली, मॉक पोल, सीलिंग आदि की प्रक्रिया को स्वयं करके देख ले यह ही सुनिश्चित किया जाए। ईवीएम से सम्बंधित ट्रेनिंग वीडियो जो जिला स्तर पर बनाये गए हैं, उनका उपयोग प्रशिक्षण कक्षाओं में किया जाए। मतदान दलों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाना सुनिश्चित करें ताकि उन्हें प्रशिक्षण सामग्री के साथ साथ आयोग के नवीनतम निर्देशों से भी अवगत कराया जा सके। मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण के दौरान बीच बीच में प्रश्न पूछ कर आंकलन करते रहें यह भी तय करें कि प्रशिक्षण को एक पक्षीय न होने पाए। ट्रेनिंग वीडिओज़ को मतदान दलों के ग्रुप में शेयर करना सुनिश्चित किया जाए। मास्टर ट्रेनर्स अपने मोबाइल नंबर देकर व्यक्तिगत रूप से मतदान प्रशिक्षण से सम्बंधित कठिनाइयों का समाधान करने में अपना सहयोग प्रदान करें। मतदान दलों के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन मोड पर ही रखे जाएं ताकि अधिकृत जानकारी ही प्रसारित हो।

लोकसभा चुनाव को लेकर विधायक ने किया बैठक का आयोजन

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

ग्राम बड़ा खुटाजा में सरपंच निवास पर केबिनेट मंत्री नागरसिंह चोहान ने सक्रिय भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि, मैं लगातार तीनों जिलों का दोरा कर रहा हूँ ताकि लोकसभा चुनाव में हम ज्यादा से ज्यादा मतों से जीत हासिल करें। बेथ में बताया कि, कार्यकता फलियो गांवों में पहुंचकर मतदाओ से मील अपने शासन की योजनाओं के बारे में बताएं, जिससे वह भाजपा कि नीति को अच्छे से समझ सके। बरझर मंडल में 7 पंचायत के 40 बुथ है। इन 40 बूथ से सलेक्टेड भाजपा कार्यकताओं की बेठक आयोजित की गई ताकि नरेन्द्र मोदी की योजनाएं बताएं। चौहान ने कहा, बडी बेठक के बजाएं छोटी-छोटी बेठक लेकर छोटी-छोटी योजनाएं बताएंगे तो मतदाता भाजपा से प्रभावित होगा ओर भाजपा के पक्ष में वोट करेगा। हमने विकास किया है यह सब आज सरकार की बदोलत। आज हम मकान गाड़ी ओर अनाज से संपन्न हो गये है। 20 वर्ष पहले ओर आज की स्थिति में यह परिवर्तन आ गया है जो भाजपा का विकास दिख रहा है। कांग्रेस सरकार में सड़कों की हालत ऐसी थी गड्ढे में सड़क व सड़क में गड्ढे दिखाई देते थे, आज सड़क के मामले में भाजपा ने हर गांव व शहर में सड़कों का जाल फेला दिया है। ग्राम बड़ा खुटाजा में बैठक समाप्त होने के बाद चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) में भी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विशाल रावत, मण्डल अध्यक्ष नारायण अरोड़ा, पूर्व जिलाध्यक्ष हिरालाल शर्मा, मण्डल अध्यक्ष बरझर लालसिंह चौहान, रमणसिंह चौहान, हिमसिग बारिया, बंटी डावर, हुजेफा अरसद, गोविन्द गुप्ता, इन्दरसिंह चौहान, सयामू, आनन्द शाह, भूपेंद्र चौहान, विक्रम ढाक, मकनसिह चोहान, विरसिह महेंद्रा, दिलीप सिंह आदि मौजूद थे।

नकली पुलिस बन घर में घुसे, शिक्षक ने पकड़ कर असली पुलिस के किया हवाले

माही की गूंज, धार।

ग्राम शाहपुर काकड़दा में सोमवार रात को नकली पुलिस बन कर वसूली करने का मामले सामने आया। इसमें नकली पुलिस बने व्यक्ति को शिक्षक ने पकड़ लिया व पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं आरोपित के अन्य दो साथी मौके से भाग गए। पुलिस दोनों फरार आरोपितों की तलाश कर रही है।

ग्राम शाहपुर काकड़दा निवासी शासकीय शिक्षक विक्रमसिंह पुत्र कालुसिंह बारिया के घर पर सोमवार रात करीब डेढ़ बजे तीन लोग नकली क्राइम ब्रांच अधिकारी बन कर पहुंचे। एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में था व दो व्यक्ति सादे कपड़े पहने हुए थे। उन्होंने खुद को क्राइम ब्रांच इंदौर का बता कर घर में गांजा रखे होने की बात कह कर तलाशी शुरू की। इसी दौरान पुलिस की वर्दी पहने व्यक्ति ने वर्दी की शर्ट से एक कपड़े की थैली निकाल कर घर के किचन में रखने लगा। जिस पर उसे पकड़ने के दौरान धक्का-मुक्की हुई। उसके बाद उस व्यक्ति को शिक्षक ने पकड़ लिया। थैली खोलने पर उसमें गांजा पाया गया। शिक्षक व पत्नी व भांजा चिल्लाए तो अन्य दो व्यक्ति वहां से भाग गए। जिसके बाद विक्रम अपने भाई शंभु के साथ आरोपित दीपक पुत्र प्रकाश मालवीय निवासी सुभाष नगर कंट्रोल वाली गली इंदौर थाना पलासिया को लेकर धरमपुरी थाने पर पहुंचे व प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच व अन्य आरोपितों की तलाश शुरू कर दी। विक्रम ने कहा कि, पकड़े गए आरोपित ने बताया था गांव के ही पप्पु पुत्र कैलाश व संतोष पुत्र कुंवरसिंह ने ही घर पर गांजा रख कर वसूली करने के लिए कहा था। जिसके लिए गांजा भी पप्पु ने ही दिया था। पकड़े गए वर्दीधारी आरोपित के साथी जितेंद्र जैन व राकेश बाबरी मौके से फरार हो गए।

साध्वी लक्ष्मी कनक बिहारी दास ने कहा: भोजशाला को सर्वे की जरूरत नहीं हैं, ये तो मंदिर है

माही की गूंज, धार।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला में मंगलवार को हिंदू समाज ने सत्याग्रह किया। सत्याग्रह में मुख्य रूप से अयोध्या के महंत नृत्य गोपाल दास जी की शिष्या लक्ष्मी कनक बिहारी दास ने भी सत्याग्रह में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि, धार की ऐतिहासिक भोजशाला वास्तव में सनातनी विरासत है। यह तो सामान्य नेत्रों से भी देखा जा सकता है कि यह एक मां सरस्वती का सदन है।

इधर मंगलवार को भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम द्वारा सर्वे भी किया गया। सत्याग्रह को लेकर आज उत्साह पूर्ण वातावरण रहा। इसकी बड़ी वजह यह थी कि सर्वे के लिए 8 सप्ताह का अतिरिक्त समय मिला है। इसको लेकर उत्साह के साथ में लोग भोजशाला पहुंचे और पूजा अर्चना की। साध्वी जी अपने साथ अयोध्या से ठाकुर जी का बाल स्वरूप लेकर आई थी। वे इस मूर्ति के साथ ही चलती है। वे भोजशाला में भी मूर्ति के साथ गई थी।

उल्लेखनीय की प्रत्येक मंगलवार को हिंदू समाज को भोजशाला में प्रवेश की अनुमति है। साथ ही निर्धारित मापदंड अनुसार पूजा अर्चना की भी अनुमति दी गई है। ऐसे में जबकि 40 दिन से सर्वे चल रहा है तो यहां पर हिंदू समाज के लोगों को केवल मंगलवार को प्रवेश दिया जा रहा है। जबकि मुस्लिम समाज के लोगों को शुक्रवार को प्रवेश दिया जा रहा है। शेष 5 दिनों में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। यह रोक लंबे समय से चल रही है। माना जा रहा है कि आगामी 27 जून तक सर्वे किया जाएगा। जब तक की सर्वे कार्य पूरा नहीं हो जाता है तब तक यही व्यवस्था बनी रहेगी। सर्वे की गोपनीयता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। इधर अहम बात

यह है कि भोजशाला के भीतर मंगलवार को सत्याग्रह हुआ। हनुमान चालीसा का पाठ और पूजा अर्चना की गई। इसमें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच में लक्ष्मी कनक बिहारी दास ने भोजशाला में पूजा अर्चना की। वे अयोध्या से आई थी। उन्होंने यहां पर देखा कि भोजशाला वास्तव में एक मंदिर है और इसको लेकर किसी तरह के विवाद की स्थिति ही नहीं होना चाहिए।

लक्ष्मी कनक बिहारी दास ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि, भोजशाला राजा भोज की शाला है। हमने अपने चक्षुओं से दर्शन किए हैं तो ऐसा लग रहा है कि इससे अच्छा रमणीय स्थान हमने अपने जीवन में पुरातन पद्धति के अनुसार आज तक नहीं देखा। सबसे पुराना सनातनी स्थान आज हमने देखा है जो हमें और हमारे ठाकुर जी, रामलला जी सरकार को भाया है। भोजशाला को सर्वे की जरूरत नहीं हैं, सर्वे करना है तो यह ढके हुए बाहर जो सीमेंट से पोत दिए गए स्थान का करें। खोदाई से लोग डरते क्यों है। यहां पर जो है वही तो निकलेगा। कोर्ट अपना कार्य कर रही है। 500 वर्ष राम लला को भी टेंट से बाहर निकलने में लगे हैं। महल जाने में समय लगा। ठाकुरजी ने स्वयं भोजशाला के दर्शन किए हैं, राम जी का स्वयं का मानना है कि मेरा दास हनुमान दास जी महाराज अंदर बैठे हैं। इसलिए वे आज अयोध्या से यहां पधारे हैं कि उनको उनकी शक्ति का ज्ञान को बल दिया। साध्वी जी अपने साथ अयोध्या से ठाकुर जी का बाल स्वरूप लेकर आई थी। वे इस मूर्ति के साथ ही चलती है। वे भोजाशला में भी मूर्ति के साथ गई थी।

सरपंच पति की हत्या, क्षेत्र में सनसनी

आखिर किसने और क्यों की हत्या...? क्या भांजगड़ी प्रथा व शराब के अवैध अड्डे भी बने इस अपराध का कारण

माही की गूंज, थांदला/खवासा। मुकेष भटट्/सुनिल सोलंकी

जिले में भांजगड़ी प्रथा ऐसी नासूर बन चुकी है कि, उक्त प्रथा के चलते असल अपराधी सलाखों के बाहर रहता है और बेगुनाह सलाखों के अंदर चला जाता है। उक्त भांजगड़ी प्रथा को मुख्य रूप से संरक्षण पुलिस प्रशासन का रहता है जिसमें कई असल मामले पुलिस चौकी व थाने पर पहुंचते हैं। लेकिन पुलिस अपराध दर्ज करने की बजाय भांजगड़ी प्रथा में विश्वास रखती है और चौकी व थाने पर दोनों गुट को मिलवाकर भांजगड़ी प्रथा को बढ़ावा देती है। वहीं भांजगड़ी के बाद भाजंगड़ी में शामिल हुए व्यक्ति अवैध शराब के उन अड्डो पर पहुंचते हैं जहां पर शराब पीने की तमाम व्यवस्थाएं व जगह रहती है। वहीं शराब ठेके से शराब लेकर खुले मे भी जाकर शराब पीने का लुफ्त उठाते हैं। ऐसे में भांजगड़ी प्रथा के दौरान हुई चर्चा भी होती है और कई बार शराब पीते समय कई ऐसी विवादित बात निकल जाती है और नए विवादों को जन्म दे देती है।

थांदला थाने की खवासा चौकी क्षेत्र की ग्राम पंचायत रतनाली सरपंच बबली बाई के पति राजू पिता बद्दा भूरिया की मंगलवार रात्रि में हुई हत्या से खवासा सहित क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं जैसे ही उक्त सनसनी वारदात की सूचना एक के बाद एक तक पहुंचने लगी तो हर कोई उक्त वारदात से स्तंभ रह गया और हर किसी को यह जानने की जिज्ञासा रही कि, आखिर राजू भूरिया को क्यों और किसने मौत के घाट उतार दिया ?

उक्त जिज्ञासा के साथ ही माही की गूंज ने भी उक्त हुई सनसनी खेज मामले की हकीकत जानना चाही। मामले में खवासा प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ ने बताया, राजू भूरिया की हत्या बचपन स्कूल के आगे मुख्य सड़क के समीप कर दी है। राजू के भाई ने मामला दर्ज करवाया और बताया कि, तलवार से राजू पर हमला किया है। किस तरह की चोटे राजु को लगी है यह अभी नहीं बता सकते पीएम रिपोर्ट के बाद यह पूरा मामला बता पाएंगे। फरियादी ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है पर अभी आरोपियों के नाम भी हम उजागर नहीं करेंगे। वहीं चौकी प्रभारी ने मामले की पूरी जांच की जा रही है बताया।

पुलिस, हत्या के कई तथ्यों को नहीं बता पा रही

पुलिस, हत्या से जुडे तथ्यो को बताने में कतरा रही है तो माही की गूंज ने मामले की जानकारी अपने सूत्रों के माध्यम से निकालने का प्रयास किया। तो सामने आया कि, राजू भूरिया भी जिले में चल रही भाजगाडी प्रथा का एक अगुआ था यानी कि अपनी पंचायत में होने वाले किसी भी तरह के विवाद या अपराध होने पर मध्यस्थता कर पुलिस चौकी पर भाजंगडी का हिस्सा बन मामले को अक्सर निपटाता था।

वहीं मंगलवार को भी इसी कड़ी में गांव की दो लड़किया जो नाबालिक थी जिनकी अगवा हो जाने की रिपोर्ट पुलिस चौकी में पूर्व में की गई थी। पुलिस लड़कियों को लेकर आई, पुलिस ने पुलिस चौकी पर ही भांजगडी प्रथा के तहत मामले को निपटाने का कहा जिस पर कुछ घंटे तक पुलिस चौकी पर भीड़ रही और भांजगडी होती रही। वहीं पुलिस ने लड़की के बयान थांदला ले जाकर लिए व लड़की को माता-पिता के सुपुर्द की गई। भांजगडी के दौरान यह भी बताया जा रहा है कि, पुलिस की कार्य प्रणाली लड़की परिवार के पक्ष में कम होने पर राजू व पुलिस के मध्य किसी बात को लेकर आपसी झड़प भी हुई। वहीं मामले में और तह पर जाने पर पता चला कि, राजू ने अपने साथियों के साथ बैठकर शराब का सेवन भी खवासा के अलग-अलग अड्डों पर जाकर किया। वहीं यह भी बताया जा रहा है कि, शाम 6 बजे के करीब थांदला मार्ग स्थित शराब ठेके की दुकान से बोकाडी रम का एक अद्दा लिया और मूल्य 540 के स्थान पर 500 देकर 40 उधार किया और करीब 8 बजे पुनः एक व्यक्ति को उक्त शराब ठेके की दुकान पर बोकाड़ी रम का अद्दा लेने पहुंचाया और सेल्समेन से फोन पर बात कर यह शराब भी उधार में ली गई और 580 रूपये सुबह देने की बात कही। रात्रि करीब 8 बजे घटनास्थल के आसपास ही किसी के खेत में राजु अपने साथियों के साथ बैठकर शराब सेवन करने की बात सामने आ रही है। वहीं उसके बाद यह भी सामने आ रहा है कि, थांदला मार्ग पर ही रवि चौहान के ढाबे व अवैध शराब अड्डे पर भी बैठे थे जहां से राजू अकेला अपनी बाइक से निकला, इसके करीब 10-15 मिनट बाद उसका भाई दिनेश व काका का लड़का अर्जुन दोनों निकले की, बचपन स्कूल के आगे सड़क किनारे राजू की बाइक पर राजू को उल्टे मुँह सोया देखा और सर में जख्मी चोट के साथ खून सड़क पर बह रहा था। जिसको देख दिनेश व अर्जुन ने अपने परिजनों को फोन कर घटना स्थल पर बुलाया और पुलिस को सूचना दी।

वहीं राजु के भाई ने नामजद मामला दर्ज करवाया लेकिन पुलिस नाम बताने से बच रही है। परंतु जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि, फरियादी ने दिन में भांजगड़ी हुई विपक्षी पार्टी रावटी थाना क्षेत्र के माही किनारे स्थित अजबगढ़ ग्राम के जीवणा, अनिल, सोमा व महेंद्र गामड़ के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

पूरे मामले में यह जरूर सामने आया है कि, यह घटना भानजगडी के तहत उपजे विवाद के कारण हुआ है। वहीं शराब के अवैध अड्डे भी एक कारण रहे हैं जो पुलिस के संरक्षण से ही संचालित हो रहे हैं। अगर राजू जिले में चल रही भांजगड़ी प्रथा का एक अगुआ नहीं होता या अवैध अड्डो पर शराब का विक्रय नहीं होता तो हो सकता राजू अपने घर ही रहता या फिर समय पर घर पहुंच जाता तो आज राजू अपनी जान से नहीं जाता और नहीं आज राजू का हंसता-खेलता परिवार बेसहारा होता। मामले में अभी भी संशय बना हुआ है कि, आखिर नामजद आरोपितों ने ही अपराध को अंजाम दिया है तो आखिर क्यों...? क्योंकि दिन में ही पुलिस के समक्ष भांजगड़ी में मामला निपट सा गया था बताया जा रहा है। पुलिस को मामले में सही तथ्य सामने उजागर करना चाहिए। वहीं मृतक के परिजनो ने उक्त हत्या में दो पुलिस वालों का भी शामिल होना बता कर थांदला थाने पर इकट्ठे होकर पुलिस को अवगत करवाया। जिस पर पुलिस ने मामले की पुख्ता जांच निष्पक्ष रूप से कर असल अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी चाहे अपराधी कोई भी हो, आश्वासन दिया। जिसके बाद परिजन थाने से बाहर हुए और पीएम के बाद राजू का अंतिम संस्कार रतनाली मुक्तिधाम पर किया गया।

मृतक राजु भूरिया

सरपंच पति राजु भूरिया की धारदार हथियार व पत्थरों से की जघन्य हत्या।

काकनवानी पुलिस संदेह के घेरे में चोरी की चांदी खरीदने वाले मेघनगर के ज्वेलरी व्यापारी को बिना आरोपी बनाए आर्थिक सांठगांठ कर छोड़ा

माही की गूंज, झाबुआ।

देश भक्ति जनसेवा का नारा लगाने वाली पुलिस कैसे धनभक्ति में लीन होकर रसूखदार आरोपियों को छोड़ देती है इसका उदाहरण काकनवानी थाना क्षेत्र में प्रवीण सोनी के यहां से चोरी हुई चांदी के मामले में सामने आया। उक्त चोरी हुई चांदी की खरीदी के मामले में मेघनगर के एक नकली समाजसेवी ज्वेलर्स व्यापारी को काकनवानी पुलिस द्वारा बिना आरोपी बनाए आर्थिक लाभ प्राप्त कर सांठगांठ की और छोड़ देना दर्शाता है कि, पुलिस के ऐसे कृत्य लगातार जनता की नजर में पुलिस की छवि धूमिल कर रहें हैं। चोरी के माल खरीदी के आरोपी को छोड़ने का ये कृत्य लगातार सोशल मीडिया प्लेटफार्म की भी सुर्खियां बना हुआ है। इस तथाकथित समाजसेवी ज्वेलर्स को पहले भी महाराष्ट्र की पुलिस, महाराष्ट्र में हुई डकैती के सोने को खरीदने के आरोप में आरोपित की निशानदेही पर पकडने आई थी मगर उस वक्त भी इसने पुलिस के साथ आर्थिक सांठगांठ कर ली थी और बच निकला था। चोरी और लूट का माल खरीदने वाले मेघनगर के इस जाने-माने ज्वेलेरी व्यापारी को कई बार विभिन्न राज्यों की पुलिस अपनी गिरफ्त में लेने तो आई मगर यह व्यापारी हर बार अपने आर्थिक रसूख के दम पर कानून के लंबे हाथों से बच निकलता रहा और फिर ये हर बार की तरह चोरी और लूट का सोना-चांदी की रकमे खरीदी के कार्यो में लिप्त हो जाता है। चोरी और लूट का करोड़ों का माल खरीद कर एक-दो कार्यक्रम कर समाजसेवी का चोला ओढ़ लेता हैं। मतलब जनता की आंखे छीनकर उन्हें चश्मे दान करने का पाखंड करने लगता है। पुलिस द्वारा सलिप्त आरोपियो को बीना आरोपी बनाए अपराधियों को छोड़ देने के कृत्यों की वजह से लगातार अपराधी और अपराधों में वृद्धि हो रही है और आम जनता भय में जीने को मजबूर है। झाबुआ जिले सहित मेघनगर में चोरी, लूट, डकैती का माल खरीदने वालों की भरमार है। मगर हर बार ये लोग मोटी रकम देकर आर्थिक सांठगाठ कर बच निकलते हैं। जिससे चोरी का माल खरीदने वाले इन लोगों और चोरों-लुटेरों के हौसले दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे हैं ।

क्या था घटना क्रम और कैसे करती है

पुलिस जांच में खेल

कुछ दिनों पूर्व काकनवानी में सोने-चांदी का व्यवसाय करने वाले प्रवीण सोनी की दुकान से 500 ग्राम की लगभग चांदी चोरी हुई थी। इस चोरी में जिस आरोपी को पुलिस ने पकड़ा था उसने चुराई चांदी को मेघनगर के एक नामचीन ज्वेलेरी व्यापारी को बेचना बताया था। जिसके बाद काकनवानी पुलिस ने 25 अप्रैल को उक्त ज्वेलर्स को बुलाया था, जहा घंटों चली भांजगाड़ी के बाद देर रात उक्त ज्वेलर्स को धारा 411(चोरी का माल खरीदने)का आरोपी नही बनाया और मुख्य आरोपी से ही चांदी जप्ति दिखाकर गांधीछाप की कई गड्डी लेकर मामला सैटल कर लिया गया। जबकि कानूनी प्रक्रिया अनुसार पुलिस इस ज्वेलर्स को धारा 411 का आरोपी बनाकर न्यायालय से रिमांड मांग कर गहन पूछताछ करती तो कई अन्य चोरियों, लूट और डकैती के माल खरीदने का खुलासा कर सकती थी और जनता को भी उनके लूटे, चुराए गए समान की वापसी हो सकती थी। मगर पुलिस का गरीबों के लिए अलग कानून है और ऐसे रसूखदार अपराधियों के लिए अलग कानून है। अब देखना हैं आगे क्या होता है, इस पूरे मामले की पुलिस अधीक्षक जांच करवाकर चोरी खरिदी वाले ढोंगी समाजसेवी के साथ जिम्मेदार सभी अधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करते हुए इस रसूखदार ज्वेलर्स को चोरी का माल खारदीने का आरोपी बनवाकर कानून का रूतबा बुलंद करते हैं या इसके रसूख और पैसों के आगे हर बार की तरह न्याय और कानून आत्मसमर्पण कर देता है।

दोहरी आपदा: एक तरफ लगी मकान में आग तो उसी दौरान बहू को हुई प्रसव पीड़ा

आगजनी का पंचनामा बनाने दूसरे दिन 5 बजे पहुंचा पटवारी, स्टाफनर्स नहीं होने व 108 नहीं आने के कारण निजी दुकान के आगे खुले में करवाया प्रसव

माही की गूंज अमरगढ़, विजय पाटीदार।

यह सही है कि किस व्यक्ति पर किस समय, किस तरह की आपदाओं से जूझना पड़ सकता है यह कभी नहीं कहा जा सकता है। लेकिन जब कोई व्यक्ति और परिवार को आकस्मिक ही किसी अनचाही आपदाओं से जूझना पड़ जाए तो वह परिवार ही जान सकता है कि वह आपदा रूपी समय किस विपदा के साथ उस पर गुजरता है।

स्थानीय तेजाजी मंदिर के पुजारी लालजी मुणिया के घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। उसी विपदा के दौरान बहु को प्रसव पीड़ा भी शुरू हो गई लेकिन स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर स्टाफनर्स आदि नहीं होने के कारण दोहरी विपदा से परिवार को गुजरना पड़ा।

जानकारी अनुसार सोमवार की रात्रि करीब 10 बजे लालजी मुणिया के कच्चे घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई, जिस समय परिवार सोने की ही तैयारी कर रहा था। जिस हिस्से में घरेलू सामान रखा हुआ था उस और आग लगी। वही एक कमरे में मवेशी भी बंधे थे आग देखते ही देखते ऐसी फैल गई की परिवार एवं ग्राम वासियों की बड़ी मशक्कत के बाद भी परिवार बड़ी नुकसानी से नहीं बच पाया। नतीजन पूरा मकान जल कर ध्वस्त होने के साथ बैल एवं गाय का बछड़ा झुलस गया। साथ ही घर में रखे नगदी, बर्तन तमाम उपयोगी दस्तावेज, करीब 20 क्विंटल गेहूं जिसमे 5 क्विंटल गेहूं समूह के होना बताया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं फायर ब्रिगेड भी पहुंच गई थी। सूचना मिलने पर तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल, पेटलावद जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, स्थानीय सरपंच भी मौके पर पहुंचे। तो वही आग लगने के दौरान ही मुखिया का पुत्र संतोष की पत्नी को प्रसव पीड़ा होने लगी। जिस पर स्थानीय लोगों के साथ सरपंच ने भी स्टाफनर्स, एएनएम व आशा कार्यकर्ता को फोन किया पर मौके पर कोई नहीं आया। वही एंबुलेंस को भी फोन किया तो वह भी नहीं आई। बताया जाता है कि, स्टाफ नर्स बामनिया से व एएनएम रतलाम से अप डाउन करती है, ऐसे में रात्रि में किसी भी गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने पर स्थानीय स्वास्थ्य सुविधा मिलने में मुश्किल होती है। नतीजा सोमवार रात्रि में भी यही वाक्या देखने को मिला और दोहरी परेशानी से जूझ रहे मुणिया परिवार के साथ पूरे ग्रामवासियों का सहयोग रहा और ग्राम की महिलाओं ने एक निजी दुकान के आगे खुले में ही संतोष की पत्नी रेखा का प्रसव करवाया एवं लड़की ने जन्म लिया। प्रसव होने के पश्चात तहसीलदार के फोन लगाने के बाद स्टाफनर्स अपने निजी चार पहिया वाहन लेकर अमरगढ़ पहुंची और मां और नवजात को लेकर बामनिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

अज्ञात कारणो से लगी आग से मकान व उसमें सखी सामग्री हुई राख।

प्रशासनिक कार्रवाई महज खानापूर्ति

किसी आपदा के समय व उसके बाद प्रशासन किस तरह से अपने प्रशासनिक कार्रवाई की खानापूर्ति करता है यह भी यहां देखने को मिला। जैसे कि प्रसव के दौरान स्थानीय स्वास्थ्य कर्मी कोई भी मुख्यालय पर उपस्थित नहीं होना और प्रसव होने के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर स्टाफ नर्स द्वारा अपने निजी कारण व परेशानी बताकर अपनी कार्रवाई की खानापूर्ति करना। तो वही मकान में आग लगने के बाद पटवारी का दूसरे दिन शाम 5 बजे पहुंच कर कार्रवाई की इतिश्री कर पंचनामा बनाकर ले जाना और पीड़ित परिवार को सहायता के रूप में उस पंचनामा की फोटो कॉपी तक नहीं देना, प्रशासनिक अमले की जमीनी हकीकत क्या है यह प्रदर्शित करती है। मुखिया लालजी मुणिया ने बताया कि, रात में जिस समय सोने की तैयारी कर रहे थे इसी दौरान किसी अज्ञात कारण से घर में आग लग गई जिसमें मवेशी झूलस गए, पत्नी भी घायल हुई साथ ही अनाज एवं घरेलू सामान व नगदी रूपये के साथ बड़ा नुकसान होना बताया। वही लालजी मुणिया ने बताया, जिस समय घर में आग लगी उसी दौरान बहू को प्रसव पीड़ा होने लगी, गांव वाले सभी ने नर्स एवं एंबुलेंस के लिए फोन लगाया लेकिन प्रसव होने तक कोई नहीं पहुंचा। मेरे गांव वालों का ही, मेरी इस आपदा में पूरा सहयोग रहा जिन्होंने मेरे इस बुरे समय में मेरा सहयोग किया व गांव की महिलाओं ने सूझबूझ के साथ मेरी बहू का प्रसव करवाया जिनका में सदैव ऋणी रहूंगा।

दोहरी आपदा के साथ प्रसव पीडा से झूझती रही रेखा संतोष मुणिया ग्रामिण महिलाओ द्वारा प्रसव करवाने के बाद बामनिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती।

आखिर कैसे बढ़ेगा मतदान प्रतिशत

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमील मंसुरी

1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है और मजदूरी का दंश झाबुआ जिला वर्षो से झेलता आ रहा है। यहां के श्रमिक अपना श्रम बेचने देश के विभिन्न हिस्सों में जाते हैं। आजादी के बाद हुए लगभग सभी चुनावो में नेतागण रोजगार देने का वादा करते आए हैं लेकिन स्थिति आज भी वैसी ही बनी हुई है। यहां पूरे के पूरे गांव खाली हो जाते है। याद कीजिए कोरोना का वो भयानक मंजर जब जिले के श्रमिकों ने बड़े-बड़े हाईवे को पैदल ही नाप दिया था। देश के कई हिस्सों से श्रमिक लॉकडाउन लगने के बाद पैदल-पैदल ही अपने घरों के लिए निकल पड़े थे। सरकार को इन मजदूरों की याद वोट डलवाने पर ही आती है। वर्तमान में हुए दो चरणों के लोकसभा चुनाव में गत चुनाव की अपेक्षा कम हुए मतदान ने सरकार के साथ ही राजनीतिक पार्टियों के माथे पर भी चिंता की लकीर खींच दी है। एक तरफप्रशासन की कोशिश है कि, मतदान प्रतिशत बड़े लेकिन मतदान प्रतिशत का कम होना प्रशासन के दावे और हकीकत में अंतर पैदा कर रहा है। वहीं राजनीतिक दल अपने-अपने गणित लगाकर मतदान को अपने हित में बतलाकर आगमी चरणों के लिए मनोवैज्ञानिक बढत प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

बांधों रोटा... चालो कोटा

वैसे तो कोटा एजुकेशन का बड़ा हब है, लेकिन झाबुआ जिले का कोटा से एक अलग संबंध है श्रम का। यहां के श्रमिक बड़ी संख्या में अपना श्रम बेचने राजस्थान के कोटा और गुजरात के सूरत शहर में लंबे समय से जाते रहे हैं। कई लोग तो इन शहरों में स्थाई रूप से बस भी चुके हैं। यहां अमूमन होली के पश्चात पलायन प्रारंभ हो जाता है। जो मानसून के आगमन तक जारी रहता है। यहां एक कहावत भी बहुत ही अधिक प्रचलित है बांधो रोटा और चालो कोटा यानी अपना राशन लेकर काम के लिए कोटा चलो।

मनरेगा योजना

केंद्र सरकार ने मनरेगा योजना लागू कर रखी है, जिसमें प्रत्येक परिवार को जॉब कार्ड के माध्यम से निश्चित मजदूरी देने का प्रावधान है। लेकिन अन्य योजनाओं की तरह ही यह योजना भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी हुई है और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी। कहते हैं कि, मजदूर का पसीना सूखने के पहले उसकी मजदूरी मिल जाना चाहिए लेकिन शासकीय अन्य योजनाओं की तरह भी इसमें भी लेट लतीफे, भाई-भतीजा वाद और भ्रष्टाचार होता है। मजदूरों को काफी समय तक उनका पैसा नहीं मिलता है, पैसा मिलता है तो उसमें कमीशन देना पड़ता है और जनप्रतिनिधि अपने चहेतो को उपकृत करने में लगे रहते हैं। जिससे वास्तविक मजदूर जिसको मजदूरी करके रुपए की जरूरत होती है वो इस योजना में मजदूरी करने के बजाय कोटा और सूरत जाकर मजदूरी करना अच्छा समझता है। उसे वहां पैसे भी ज्यादा मिलते हैं और समय पर भी मिलते हैं।

कैसे बढ़ेगा मतदान प्रतिशत!

रतलाम सीट पर चौथे चरण में 13 मई को मतदान होना है और वर्तमान में जिले के कई गांव खाली है यानी मजदूरों के लिए पलायन पर है। ऐसे में प्रशासन के लिए इन मजदूरों को मतदान के लिए अपने गांव में लाना बड़ी चुनौती है। अब देखना है कि, प्रशासन इस चुनौती को कैसे पार पाता है।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत कई तरह की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। शिविर के माध्यम से मतदान की शपथ दिलाई जा रही है। मैदानी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी तय की जा रही है। लेकिन उसके बाद भी बड़ा सवाल है कि, क्या मतदान प्रतिशत बढ़ पाएगा...?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422